

सतना

08 मार्च 2026
रविवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

डिप्टी सीएम केशव मोर्य के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

2000 फीट ऊंचाई पर अचानक डिस्पले बंद हुआ, अंदर धुआं भरा



लखनऊ, एजेंसी। यूपी के डिप्टी सीएम केशव मोर्य के हेलिकॉप्टर की शनिवार को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। उन्होंने लखनऊ से कोशीको के लिए उड़ान भरी थी। 15 मिनट बाद ही हेलिकॉप्टर का डिस्पले अचानक बंद हो गया। अंदर धुआं भरने लगा।

पायलट ने तुरंत लखनऊ एयर ट्रांफिक कंट्रोल यानी एटीसी को सूचना दी। इमरजेंसी लैंडिंग की परिस्थिति मांगी। विमान तब तक 50 किमी दूर बछरावां तक पहुंच गया था। अनुमति मिलते ही पायलट ने वापस लखनऊ एयरपोर्ट की तरफ मोड़ दिया।

एयरपोर्ट पर सुबह 11.15 बजे हेलिकॉप्टर की सुरक्षित लैंडिंग करवाई। लैंडिंग तक हेलिकॉप्टर में काफी धुआं भर गया था। हेलिकॉप्टर से केशव समेत 6 लोगों को सुरक्षित नीचे उतारा गया।

नारी राष्ट्र निर्माण की मजबूत शक्ति बनकर उभर रही है : रेखा गुप्ता



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज नारी शक्ति राष्ट्र निर्माण की एक मजबूत शक्ति बनकर उभर रही है। महिलाओं को सशक्त बनाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री शनिवार को विज्ञान भवन में 'भारती-नारी से नारायणी' महिला विचारकों के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। दो दिवसीय इस सम्मेलन का आयोजन राष्ट्र सेविका समिति, भारतीय विद्वत परिषद और शरण्या द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में लखपति बिटिया योजना, सहली पिंग स्मार्ट कार्ड, कोलेटून-प्री लोन और नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति जैसे कदमों के माध्यम से नारी शक्ति को सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका वी. शांता कुमारी, राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय तरुणी प्रमुख विजया शर्मा, भारतीय विद्वत परिषद की कार्यदशी प्रो. शिवानी वी., शरण्या की अध्यक्ष अंजु आहूजा, शरण्या की सचिव प्रो. चारु कालरा, समाज सेविका डॉ. तेजस्विनी अनंत कुमार सहित अन्य समाजसेविकाएं उपस्थित रहीं। सम्मेलन में देशभर से लगभग 1500 महिला विचारक भाग ले रही हैं। महिला सांसदों, विश्वविद्यालयों की महिला कुलपतियों और महिला संतों के लिए अलग-अलग विशेष सत्र रखे गए हैं।

रूसी तेल खरीद पर केंद्र पर भड़की कांग्रेस : कब तक चलेगा अमेरिकी ब्लैकमेल

यूएस का भारत को 30 दिन की छूट देने का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए अमेरिका की ओर से जो 30 दिनों की छूट का ऐलान किया है, उसपर सियासी घमासान शुरू हो गया है। कांग्रेस पार्टी ने इसे भारत की संप्रभुता पर हमला और अमेरिकी ब्लैकमेल बताया है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाया है कि आखिर अमेरिका इस तरह से हमें कब तक ब्लैकमेल करता रहेगा। नेता विपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा में इस बारे में बौते सेशन का वीडियो शेयर किया है। राहुल ने कहा था- क्या अमेरिका हमें बताएगा कि हम रूस या ईरान से तेल खरीद सकते हैं या नहीं। यह अमेरिका तय करेगा, हमारे प्रधानमंत्री नहीं।

खड़गे ने कहा- प्रधानमंत्री मोदी पर दबाव डाला जा रहा : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय संप्रभुता गंभीर खतरे में है, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी पर एपस्टीन फाइलस और अखंडी मामले को लेकर दबाव डाला जा रहा है। अमेरिका द्वारा भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए 'अनुमति' देने और 30 दिनों की 'छूट' देने की घोषणा साफ तौर पर दिखाती है कि मोदी सरकार लगातार कूटनीतिक क्षेत्र छोड़ती जा रही है।

हरिद्वार में '4 साल बेमिसाल' कार्यक्रम

शाह बोले- उत्तराखंड अटल जी ने बनाया, मोदी संवार रहे, 3 पाकिस्तानी शरणार्थियों को दी नागरिकता

हरिद्वार, एजेंसी। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह आज शनिवार को हरिद्वार पहुंचे। शाह ने कार्यक्रम की शुरुआत में 2000 पुलिस आरक्षियों को नियुक्ति प्रमाण पत्र दिए। पांच आरक्षियों को औपचारिक रूप से नियुक्ति पत्र सौंपा गए। इस दौरान अमित शाह ने सीएए के तहत पाकिस्तानी और अफगानिस्तान से आए 5 हिंदू परिवारों को नागरिकता प्रमाण पत्र भी सौंपे। उन्होंने 1,100 करोड़ रुपये से अधिक लागत की कई परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। अमित शाह ने भारत माता की जय के साथ अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड वालों की आवाज दिल्ली तक जानी चाहिए। तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने की मुझे धींचिए और अमित शाह के नेतृत्व में हमारा देश एक बोलिये भारत माता की जय. उन्होंने जय श्री राम का जयकारा भी लगाया।



अमित शाह ने युवाओं को 'मेरे जिरर के टुकड़े' कहा और देवभूमि को प्रणाम किया।

इससे पहले उत्तराखंड के सीएम धामी ने कार्यक्रम में मौजूद एक लाख से ज्यादा कार्यकर्ताओं और जनता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हमारा देश एक भारत और श्रेष्ठ भारत की ओर बढ़ रहा है। सशक्त भारत का संकल्प पूरा हो

पहले नौकरी में पूर्वी और खर्ची दोनों से नौकरी मिलती थी- शाह

अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि पहले नौकरी में पूर्वी और खर्ची दोनों से नौकरी मिलती थी. अब ऐसा नहीं होता, ना होगा. जब मैं सीएए का कानून लाया था, तो सब विपक्षी हल्ला कर रहे थे. मैं कहना चाहता हूँ कि जो बाहरी देश से आए हैं, उनका भारत पर उतना ही अधिकार है जितना अधिकार भारत पर मोदी का है. अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी चाहे जितना विरोध करना है कर लें, हम विदेशों में धार्मिक उत्पीड़न झेल रहे सभी लोगों को नागरिकता देकर रहेंगे। अमित शाह ने कहा कि 6 दशक के बाद ऐसा हुआ जब तीन बार पीएम मोदी बने हैं. कई राज्यों में भी हमने सरकार बनाई. दिल्ली में हमने सरकार बनाई. बिहार में भी सरकारी बनाई. केरल में पहली बार बीजेपी का भगवा लहरा है. हम 26 में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी हम सरकार बनाने जा रहे हैं. अब 2027 में हम उत्तराखंड में फिर से सरकार बनाएंगे।

भारत आज पूरी दुनिया की आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है. सीएम धामी ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के मित्रों को विश्वपटल पर भारत की बढ़ती लोकप्रियता रास नहीं आ रही है. वे पीएम मोदी का विरोध करने के चक्कर

में पूरे देश का विरोध कर रहे हैं. कांग्रेस अपने युवाज के अपरिपक्व नेतृत्व में देश विरोधी हो गई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन की सरकार ने विकास के ऐतिहासिक मानक गढ़े हैं।

घरेलू एलपीजी के दाम 60 और वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमतों में 115 रुपये बढ़ती, नई दरें लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में शनिवार, 7 मार्च से वृद्धि कर दी गई है। देश भर में 14.2 किलोग्राम के घरेलू खाना पकाने वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये की बढ़ती हुई है। इसी तरह, 19 किलोग्राम के व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी आज से 115 रुपये की वृद्धि की गई है, जिससे होटल, रेस्तरां और छोटे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों जैसे व्यवसायों पर असर पड़ेगा।

दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 853 रुपये से बढ़कर 913 रुपये हो गई है। मुंबई में,



घरेलू एलपीजी सिलेंडर की नई दर अब 852.50 रुपये से बढ़कर 912.50 रुपये हो गई है। कोलकाता में, कीमत 879 रुपये से बढ़कर 0.30 रुपये हो गई है, जबकि

चेन्नई में यह 868.50 रुपये से बढ़कर 928.50 रुपये हो गई है। संशोधित दरें आज से तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। यह वृद्धि व्यवसायों द्वारा उपयोग किए जाने वाले व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों पर भी लागू होती है। दिल्ली में 19 किलोग्राम के व्यावसायिक सिलेंडर की कीमत 1768.50 रुपये से बढ़कर 1883 रुपये हो गई है। मुंबई में यह कीमत 1720.50 रुपये से बढ़कर 1835 रुपये हो गई है। इसी तरह, कोलकाता में यह कीमत 1875.50 रुपये से बढ़कर 1990 रुपये हो गई है, जबकि चेन्नई में यह 1929 रुपये से बढ़कर 2043.50 रुपये हो गई है।

गैस सिलेंडर महंगा होने पर लोगों की प्रतिक्रिया : राजधानी दिल्ली में एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ने पर भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि कीमत में बढ़ती प्रदास इन्फ्लेशन इंडेक्स के हिसाब से बहुत मामूली है। पूरी दुनिया में एनजी की कीमतें बढ़ रही हैं। शोर मचाना विपक्ष का काम है। वहीं कीमत बढ़ने पर कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि यह निश्चित रूप से चिंता की बात है। पहले से ही बहुत महंगाई है और अगर अब कीमतें बढ़ी हैं, तो जनता पर बोझ और बढ़ेगा। सरकार को चिंतित होना चाहिए और इस पर गौर करना चाहिए।

ममता बनर्जी का धरना दूसरे दिन भी जारी: रातभर धरनास्थल पर रहीं बोलों- SAR में वोटर्स के नाम बंगाल को बांटने के इरादे से हटाए

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी है। ममता रातभर धरना स्थल पर ही रहीं।

ममता ने पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेलिजेंस रिजिजन (SIR) में वोट लिस्ट से नाम हटाने के विरोध में 6 मार्च दोपहर 2 बजे से कोलकाता के एस्पलेनड मेट्रो चैनल पर धरना शुरू किया है।

ममता बनर्जी ने समर्थकों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि पोस्ट स्ट्रुक्च में वोट लिस्ट से वोटर्स के नाम हटाना हटाना बंगाल को बांटने के इरादे से किया गया है। भाजपा बंगाल को बांटकर वोट



संघर्ष तृणमूल कांग्रेस (TMC) के वरिष्ठ नेता, विधायक और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद हैं। पार्टी समर्थक सुबह से ही पहुंच रहे हैं।

राज्य बजट में घोषित योजनाएं आज से ही लागू करने का ऐलान हमने बजट में दो योजनाओं की घोषणा की थी। एक है 'बंगालर युवा साथी' और दूसरी है 'भूमिहीन खेत मजदूर'। दोनों योजनाएं अप्रैल से शुरू होनी थीं, लेकिन हमने इन्हें आज से शुरू करने का फैसला किया है। वे बंगाल को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि हमारा राज्य कई योजनाएं लाने में पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा LPG की कीमतें फिर से बढ़ दी गई हैं।

शंकराचार्य बोले-दुर्भाग्य है कि धर्मयुद्ध के लिए निकलना पड़ रहा

'जिंदा हिंदू लखनऊ चलें'- लिखे पोस्टर बांटे; गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध समा करेंगे

वाराणसी, एजेंसी। बहुत दुर्भाग्य की बात है कि धर्म युद्ध के लिए निकलना पड़ रहा है। अपने ही देश में, अपने ही वोट से चुनी सरकार के सामने, अपनी ही गो-माता को बचाने के लिए हम लोगों को आंदोलन करना पड़ रहा है। शंकराचार्य स्वामी



अविमुक्तेश्वरानंद ने ये बातें काशी में लखनऊ रवाना होने से पहले शनिवार को कही। शंकराचार्य ने इस आंदोलन को 'गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध सभा' का नाम दिया। वह 11 मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे। यहां हजारों संतों की मौजूदगी में सभा करेंगे।

बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से: पहले दिन ही आएगा लोकसभा स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव, भाजपा-कांग्रेस ने व्हिप जारी किया

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद का बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने लोकसभा सांसदों को 9 से 11 मार्च तक सदन में मौजूद रहने के लिए 3-लाइन व्हिप जारी किया है।

कांग्रेस ने अपने सांसदों से कहा है कि वे इन दिनों सदन में मौजूद रहें क्योंकि लोकसभा स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा की संभावना है। वहीं भाजपा ने भी

सांसदों को मौजूद रहने का निर्देश दिया है। विपक्ष ने स्पीकर ओम बिस्वा को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव का नोटिस दिया है। विपक्ष के 118 सांसदों ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस के सांसदों (29) ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने अपनी पार्टी के चेयरपर्सन के निर्देश के अनुसार अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने का मन बना लिया है।

राहुल बोले- नेता नहीं होता, तो एयरोस्पेस कारोबारी होता

चीन की तारीफ में कहा- इसका इंस्ट्रुमेंटल प्रोडक्शन सिस्टम बेजोड़, लेकिन वह लोकतांत्रिक देश नहीं है

त्रिवेंद्रम, एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी केरल के दौर पर हैं। उन्होंने शनिवार को त्रिवेंद्रम में कहा कि अगर वे पॉलिटिक्स में नहीं होते, तो एयरोस्पेस की दुनिया में एंटरप्रेन्योरशिप करते। राहुल ने कहा कि वे एक पायलट हैं। उनके पिता और चाचा भी पायलट थे। यह परिवार में चलता है। राहुल गांधी केरल के दो दिन के दौर पर हैं। वे टेक्नोपार्क में इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (IT) फ्रेटरनिटी के साथ बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने चाइना के इंस्ट्रुमेंटल सिस्टम की तारीफ की। राहुल ने कहा- चीन ने एक



शानदार इंस्ट्रुमेंटल सिस्टम बनाया है जिसका दुनिया में कोई मुकाबला नहीं है। लेकिन हमें उनका जबरदस्ती वाला सिस्टम पसंद नहीं। वे डेमोक्रेटिक नहीं हैं। राहुल गांधी ने केरल के इडुक्की जिले के

कृदिकनम में चाय बागान के मजदूरों से बातचीत की और वर्कला के शिवगिरी मठ में श्री नारायण गुरु की समाधि पर भी गए।

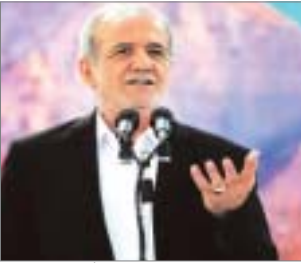
रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान जंग का उदाहरण दिया: राहुल ने जियोपॉलिटिकल कडीशन का उदाहरण देते हुए कहा- अगर आप यूक्रेन जाकर देखें कि युद्ध के मैदान में क्या हो रहा है, तो आप पाएंगे कि सर्कुलर मोशन, ड्रोन इंटरनल कम्बशन इंजन को पूरी तरह से खत्म कर रहा है। ईरान में, आप देखेंगे कि मिलिट्री हिस्सा बैटरी ऑप्टिक्स और इलेक्ट्रिक मोटर की तरफ जा रहा है।

ईरान ने पड़ोसी देशों से माफी मांगी, कहा-हमले नहीं करेंगे:कुछ मिनट बाद कतर पर अटैक

अमेरिका बोला- ईरान पर आज सबसे बड़ा हमला करेंगे

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज आठवां दिन है। इस बीच ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा है कि अब पड़ोसी देशों पर हमले नहीं किए जाएंगे, जब तक कि उन देशों की जमीन से ईरान पर कोई हमला न किया जाए। ईरानी मीडिया के अनुसार राष्ट्रपति ने बताया कि ईरान की अंतरिम नेतृत्व परिषद ने कल इस

फैसले को मंजूरी दी है। पेजेशकियन ने पिछले कुछ दिनों में पड़ोसी देशों पर हुए हमलों के लिए उनसे माफी भी मांगी। उन्होंने कहा कि ईरान इन देशों के साथ तनाव बढ़ाना नहीं चाहता और भविष्य में ऐसे हमलों से बचने की कोशिश करेंगे। 28 फरवरी को जंग की शुरुआत से अब तक ईरान इजराइल समेत मिडिल ईस्ट के 13 देशों को निशाना



बना चुका है। वहीं, अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट

बेसेंट ने शनिवार को फॉक्स न्यूज से बातचीत में कहा है कि आज रात ईरान पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस हमले का मकसद ईरान के मिसाइल लॉन्चर और मिसाइल बनाने वाली फैक्ट्रियों को भारी नुकसान पहुंचाना है।

ईरान का युद्धोत्त भारत में रुका
ईरान का एक युद्धोत्त IRIS लावन

भारत के कोच्चि बंदरगाह पर रुका हुआ है। मोड में सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि ईरान ने 28 फरवरी को तकनीकी खराबी आने के बाद भारत से मदद मांगी थी। भारत ने 1 मार्च को जहाज को कोच्चि में डॉक करने की अनुमति दी और इसके बाद 4 मार्च को यह बंदरगाह पर पहुंच गया। जहाज के 183 क्यू मंबर फिलहाल कोच्चि में

भारतीय नौसेना की सुविधाओं में ठहरे हुए हैं। IRIS लावन हाल ही में भारत में आयोजित इंटरनेशनल फ्लोट रिव्यू (IFR) 2026 और मिलान 2026 नौसैनिक अभ्यास में शामिल हुआ था, जो 15 से 25 फरवरी के बीच आयोजित हुए थे। इससे पहले अमेरिका ने भारत से लौट रहे ईरानी युद्धपोत IRIS देना को श्रीलंका के पास हमला कर डुबा दिया था।

दिल्ली डबल मर्डर केस: अपनी ही बेटियों को मां ने यों मार डाला, सामने आई वजह; जज बनना चाहती थी गुनिशा

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में मालवीय नगर थाना क्षेत्र स्थित एक ब्लाक में दो बहनों की हत्या की दर्दनाक घटना ने समूचे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया। इसके पीछे एक मां का लंबे समय से चल रहा मानसिक तनाव, पारिवारिक परिस्थितियों और आर्थिक समस्या से जूझता जीवन भी सामने आ रहा है। वहीं, पुलिस अभी तक मामले को तह तक नहीं पहुंच सकी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वह भी कुछ सवालों की तह तक जाने का प्रयास कर रहे हैं, पर आरोपी महिला को हालत ठीक नहीं होने की वजह से उससे पूछताछ नहीं हो सकी है। संभव है कि महिला ने पहले दोनों बेटियों को नशीला पदार्थ दिया गया। फिर एक का मुंह तकिए से दबाकर तो दूसरी की गर्दन क्रैप बैंड से घोट दिया। दोनों को मौत होने के बाद महिला ने भी खुदकुशी के लिए जहरीला पदार्थ खा लिया था, जिसकी वजह से उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, बड़ी बेटी 32 वर्षीय राधिका प्रवेश थी और मानसिक रूप से भी बीमार रहती थी। बीमारी के कारण वह आठवीं कक्षा से आगे पढ़ाई नहीं कर पाई। उसकी देखभाल और इलाज को लेकर मां सुनीता काफी समय से परेशान रहती थी। दिन-रात बेटी की चिंता



और जिम्मेदारी ने धीरे-धीरे उस पर मानसिक दबाव बढ़ा दिया था। इसके अलावा पति सुधीर अरोड़ा के साथ भी सुनीता के रिश्ते सही नहीं चल रहे थे। वह अपने घर में ही पत्नी से अलग रहता था, जिसके चलते सुनीता मानसिक रूप से परेशान रहती थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुधीर ने अपने बयान में बताया है कि वह किसी काम से बाहर गया था। देरी होने के चलते वह बेटियों को फोन मिला रहा था। किसी ने उसका फोन नहीं उठया, जिसके बाद उसने अपने घर आने वाली घरेलू सहायिका को फोन किया, जिसने बताया कि वह घर गई

थी, लेकिन किसी ने गेट नहीं खोला तो वह वापस आ गई। इसके बाद सुधीर ने पहले पुलिस को फोन किया और खुद भी घर पहुंचा। जब पुलिस और सुधीर ने गेट तोड़कर घर में प्रवेश किया तो वहां दोनों बेटियों के शव थे और सुनीता बेसुध हालत में पड़ी हुई थी। परिवार के लोगों के बीच नहीं होती थी बातचीत : सूत्रों ने बताया कि जिस चार मंजिला इमारत में सुधीर का परिवार रहता है, उसमें पहले फ्लोर पर सुधीर की मां, दूसरे पर सुधीर का भाई अपने परिवार के साथ रहता है। जबकि सबसे ऊपर उसकी बहन अपने बेटे के

साथ रहती है, वह अपने पति से अलग हो चुकी है। सुनीता की अपने समुदाय पक्ष के लोगों से संबंध ठीक नहीं थे, जिससे घर का माहौल अक्सर तनावपूर्ण बना रहता था। परिवार के लोगों के बीच बातचीत लंबे समय से बंद थी।

न्यायाधीश बनना चाहती थी गुनिशा: घर की छोटी बेटी 28 वर्षीय गुनिशा ने पिछले वर्ष ही कानून में स्नातक की पढ़ाई पूरी की थी। वह एलएलएम की तैयारी कर रही थी। परिवार को उससे काफी उम्मीदें थीं और वह अपने भविष्य को लेकर भी योजनाएं बना रही थी। गुनिशा अक्सर न्यायाधीश बनने की बात किये करती थी। पड़ोसियों के अनुसार अरोड़ा परिवार करीब 60 वर्षों से इलाके में रह रहा था और शांत स्वभाव के लिए जाना जाता था। बड़ी बेटी राधिका विशेष जरूरतों वाली थी और घर पर ही रहती थी, जबकि छोटी बेटी गुनीशा ने एलएलबी की पढ़ाई पूरी की थी। पड़ोसियों का कहना है कि परिवार अपनी बेटियों को बहुत प्यार से रखता था और किसी को अंदाजा नहीं था कि घर के अंदर ऐसी त्रासदी हो सकती है।

वह थी पूरी घटना : पुलिस को बृहस्पतिवार की शाम 6:10 बजे सूचना मिली

कि मालवीय नगर एफ ब्लाक (मकान नंबर 6/5) में एक घर का दरवाजा काफी देर बंद है, अंदर से कोई जवाब नहीं मिल रहा। पुलिस को मौके पर पहुंची और दरवाजे के ऊपर की खड़की खोलकर दरवाजा खोला। बताया कि घर के अलग-अलग दो कमरों में दो सगी बहनों राधिका अरोड़ा और गुनीशा अरोड़ा के शव पड़े थे। एक युवती का शव बिस्तर पर पड़ा था और उसके मुंह पर तकिया रखा हुआ था। दूसरी युवती का शव बेड पर पड़ा था। उसके गले को क्रैप बैंड से घोंटा गया था। उसके हाथ पर कट के निशान भी थे। पुलिस को गुनीशा के कमरे में ही जमीन पर उसकी मां सुनीता अरोड़ा अचेत पड़ी मिली। उसकी सांस चल रही थी। पुलिस ने बिना देरी किए उसे तुरंत अस्पताल में भेजी करवाया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस को घटनास्थल से फिनाइल पीसी हुई गोलियां भी मिली हैं। आशंका जलाई जा रही है कि मां ने बेटियों की हत्या के बाद खुदकुशी की कोशिश की। पुलिस ने एफएएसएल और क्राइम टीम के सहयोग से घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। फिलहाल पुलिस महिला को सहित में सुधार होने का इंतजार कर रही है, ताकि उससे पूछताछ कर इस डबल मर्डर की गुत्थी सुलझाई जा सके।

मेडिकल कॉलेज रिश्वत मामले में पिता-पुत्र को सीबीआई कोर्ट ने सुनाई सजा, एक-एक लाख का जुर्माना भी लगा

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में सीबीआई कोर्ट ने झज्जर के वर्ल्ड कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च से जुड़े रिश्वतखोरी के मामले में आरोपी पिता-पुत्र को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। आरोपियों ने कोर्ट में प्ली बारागिंग यानि दोषमक्ति समझौता के तहत कोर्ट से कम सजा दिए जाने की मांग की थी। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को छह महीने के साधारण कारावास और एक-एक लाख रुपये के जुर्माने की सजा दी है। वर्ष 2017 में केंद्र सरकार ने बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण देश के 46 मेडिकल कॉलेजों पर दाखिला लेने से रोक लगा दी थी। झज्जर स्थित वर्ल्ड कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज भी इन्हीं प्रतिबंधित कॉलेजों में शामिल था। आरोप था कि कॉलेज के चेयरमैन डॉ. नरेंद्र सिंह और कुंवर निशांत सिंह ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के जस्टिस अधिकारियों को प्रभावित करने के लिए विनोद कुमार शर्मा और वैभव शर्मा के साथ मिलकर एक आपराधिक साजिश रची। इस काम के लिए रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 50 लाख रुपये का भुगतान किया गया था। जिससे सीबीआई ने तीन अगस्त 2017 को छापामारी के दौरान बरामद कर लिया था। मुकदमे के दौरान आरोपितों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए दंड प्रक्रिया सहिता के तहत प्ली बारागिंग के लिए आवेदन किया था। कोर्ट ने फैसला देते हुए पाया कि इस मामले में किसी भी सरकारी सेवक की संलिप्तता या राजकोष को आर्थिक हानि पहुंचाने का प्रमाण नहीं मिला है। आरोपितों ने अपने किए पर खेद प्रकट किया है। सीबीआई द्वारा जब्त किए गए 50 लाख रुपये को विभाग के पक्ष में जब्त करने का आदेश दिया गया है। विशेष सीबीआई न्यायाधीश प्रमोद कुमार ने 27 फरवरी को दोनों को आईपीसी की धारा 120-बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा आठ के तहत दोषी ठहराया। दोनों आरोपितों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

प्ली बारागिंग : अधिवक्ता अनीस चौधरी के मुताबिक प्ली बारागिंग यानि दोषमक्ति समझौता एक ऐसी कानूनी प्रक्रिया है, जिसमें आपराधिक मामलों में आरोपित पक्ष अधिभोजन पक्ष के साथ बातचीत कर अपना अपराध स्वीकार कर लेता है। लेकिन मुकदमे का सामना करने के बजाय अधिभोजन पक्ष से सजा कम करने के लिए समझौता करता है। इसका उद्देश्य लंबी कानूनी कार्यवाही को कम करना और जेलों पर भार कम करना है।

गाजियाबाद में निवेश का मौका, मधुबन बापूधाम योजना के मिक्स लैंड यूज प्लॉट बिक्री में; 18 मार्च को लगगी बोली



गाजियाबाद, एजेंसी। प्राधिकरण की मधुबन बापूधाम योजना में पहली बार मिक्स लैंड यूज भूखंड खरीदने का मौका है। इसके साथ ही गुप हार्डसिंग, होटल, हाईस्कूल और अन्य व्यावसायिक भूखंड भी नीलामी के लिए रखे गए हैं। आगामी 18 मार्च को होने वाली नीलामी के लिए इच्छुक खरीदार 13 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं। मधुबन बापूधाम योजना में 18 मीटर चौड़ी सड़क पर स्थित पांच मिक्स लैंड यूज भूखंड पहली बार बिक्री के लिए शामिल किए गए हैं। इन भूखंडों को खरीदने के बाद खरीदार प्राधिकरण से नक्शा स्वीकृत कराकर आवासीय के साथ व्यावसायिक गतिविधियां भी संचालित कर सकेंगे। अधिकारियों का कहना है कि इन भूखंडों की बिक्री के बाद अन्य मिक्स लैंड यूज भूखंड भी चरणबद्ध तरीके से बेचे जाएंगे। नीलामी में कुल 15 बड़े भूखंड शामिल किए गए हैं। इनमें चार गुप हार्डसिंग, तीन होटल और दो व्यावसायिक भूखंड हैं। इनका आकार एक हजार वर्ग मीटर से लेकर 20 हजार वर्ग मीटर तक है। इसके अलावा पाकेट ए, बी और सी में हाईस्कूल और अन्य सुविधाओं के लिए करीब दस भूखंड भी शामिल किए गए हैं, जिनका आकार एक हजार से छह हजार वर्ग मीटर तक है। जीडीए के अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि खरीदारों को रिजर्व प्राइस से अधिक बोली लगानी होगी और किसी भी भूखंड पर एकल बोली नहीं लगा सकेंगे। उन्होंने बताया कि गत वर्ष विभिन्न योजनाओं में भूखंडों की बिक्री से प्राधिकरण को करीब 288 करोड़ रुपये की आय हो चुकी है।

हिंदू देवी के नाम पर नॉन-वेज स्टॉल देख भड़के लोग, यूट्यूबर समेत कई ने की तोड़फोड़; हरकत में आई फरीदाबाद पुलिस



फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में हिंदू देवी के नाम पर नॉन-वेज का स्टॉल लगाने पर कथित हिंदू कार्यकर्ता भड़क गए। उन्होंने न केवल स्टॉल पर लगा पोस्टर फाड़ डाला बल्कि स्टॉल संचालक को भी धमकाया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, पुलिस का कहना है कि इस संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है। तोड़फोड़ करने वालों में होडल का रहने वाला कॉमिडियन यूट्यूबर भी शामिल था, जिसे रेहड़ी वाले को धमकाते देखा जा सकता है। यह घटना फरीदाबाद सेक्टर-11 की बताई जा रही है। दरअसल, यह पूरा विवाद एक नॉन-वेज स्टॉल का नाम हिंदू देवी के नाम पर रखने के बाद से शुरू हुआ। खुद को हिंदू संगठन के सदस्य बताते वाले युवक स्टॉल पर पहुंचे और स्टॉल वाले को दुकान का नाम बदलने के लिए धमकाने लगे। इस दौरान उन्होंने रेहड़ी पर लगा पोस्टर फाड़ डाला। तोड़फोड़ करने वालों में एक होडल का कॉमिडियन यूट्यूबर गिरधर शर्मा भी शामिल है। वहीं, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कई युवकों को रेहड़ी वाले के ऊपर चिल्लाते, रेहड़ी पर तोड़फोड़ करते देखा जा सकता है। स्टॉल संचालक ने पुलिस को इस मामले में कोई शिकायत नहीं दी है।

हिंदू देवी का नाम लगा पोस्टर हटाया : बताया जा रहा है कि स्टॉल संचालक भी हिंदू ही हैं। यूट्यूबर गिरधर शर्मा का कहना है कि स्टॉल संचालक हिंदू देवी के नाम पर नॉन-वेज की स्टॉल चला रहा था। उसे दो दिन पहले यह नाम हटाने के लिए आगाह किया गया था, मगर उसने बात नहीं मानी। इसके बाद उसकी दुकान से हिंदू देवी का नाम लगा पोस्टर हटाया गया है। वहीं, सेक्टर-11 चौकी पुलिस का कहना है कि वायल वीडियो संज्ञान में है, मगर अभी तक कोई व्यक्ति शिकायत लेकर नहीं आया है। यह वीडियो सेक्टर-11 में मिलन रिविजेंट के पास का बताया जा रहा है। पुलिस टीम ने वहां भी जांच की, मगर ऐसा कोई स्टॉल संचालक नहीं मिला है।

दिल्ली में खाद्य सुरक्षा अभियान बेअसर, रिपोर्ट आने तक बिक जाती है मिलावटी सामग्री

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में निगरानी व कानूनी सैपल की कमी और जांच में देरी के खेले ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग के सैपलिंग अभियान को प्रभावहीन बनाकर रख दिया है। राष्ट्रीय राजधानी में होली के मद्देनजर विभाग ने 26 फरवरी को बाजारों से 66 खाद्य सैपल लिए थे। उस समय सरकार और विभाग दोनों ने ही बड़े-बड़े दारों के साथ इस कार्रवाई का खुब प्रचार प्रसार किया था। पर, होली बीत जाने के बाद भी विभाग ने न तो इन सैपल की जांच रिपोर्ट को लेकर कोई जानकारी दी और न ही कार्रवाई की। ई-मेल और फोन करने पर भी कोई उतर नहीं दिया गया। प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि ल्योहार के दौरान ही मिलावटी खाद्य पदार्थों की सैपलिंग क्यों होती है और जब सैपलिंग के बाद भी संबंधित खाद्य पदार्थ की बिक्री



जारी रहती है तो अभियान का औचित्य क्या? विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, नियमों के कारण अधिकांश मामलों में खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा सैपल लेने के बाद संबंधित खाद्य पदार्थों की बिक्री तुरंत नहीं रोकी जाती। सैपल को प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा जाता है और आगे की कार्रवाई

प्रयोगशाला की रिपोर्ट के आधार पर होती है। रिपोर्ट आती है 14 से 30 दिन बाद, ऐसे में यदि किसी सैपल में मिलावट या मानकों का उल्लंघन पाया भी जाता है, तो तब तक वह खाद्य सामग्री बाजार में बिक चुकी होती है और उपभोक्ता उसे उपयोग कर चुके होते हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग के विभाग अभियान में लिए गए 66 सैपलों में

54 निगरानी (सर्विलांस) और 12 कानूनी (एन्फोर्समेंट) सैपल शामिल थे। ये सैपल मिठई, खोया, पनीर, मसाले, तेल, अनाज और तैयार खाद्य पदार्थों से लिए गए थे और परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। विभाग के अनुसार निगरानी सैपलों की संख्या अधिक होती है, जबकि कानूनी सैपल की संख्या कम। इस कारण कई मामलों में मिलावट के खिलाफ कड़ी कार्रवाई बेहद सीमित रहती है। निगरानी सैपलिंग से बाजार की स्थिति का आकलन तो होता है, लेकिन मिलावट के मामलों में प्रभावी कार्रवाई मुख्यतः कानूनी सैपलों के आधार पर ही होती है। प्रयोगशाला रिपोर्ट में खाद्य पदार्थ मिलावटी, सब-स्टैंडर्ड या मिसब्रैंडिड पाया जाता है, तब नोटिस, जुर्माना और अदालत में मामला दायर करने की कार्रवाई की जाती है।

फरीदाबाद में कार के अंदर मिली दो सगे भाइयों की लाश, दम घुटने से मौत की आशंका

फरीदाबाद, एजेंसी। नवीन नगर इलाके में दो सगे भाइयों की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। दोनों के शव देर रात अगवानपुर रोड पर कार के अंदर मिले। मृतकों की पहचान रोशन नगर निवासी 44 वर्षीय कुंदन कुमार और 38 वर्षीय रंजन कुमार के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में दोनों की मौत दम घुटने से हुई बताई जा रही है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान अस्पताल भिजवाए हैं। स्वजन से पता चला है कि दोनों भाई शुक्रवार सुबह कार लेकर घर से निकले थे। देर शाम तक जब वापस नहीं लौटे तो स्वजन ने उनकी तलाश शुरू की। उनकी कार नवीन नगर इलाके में अगवानपुर रोड पर खड़ी मिली। उसके अंदर दोनों के शव थे। आस-पास के लोगों ने बताया कि कार सुबह 10 बजे से खड़ी थी, लेकिन किसी ने कार की तरफ ध्यान नहीं दिया, क्योंकि वहां सड़क किनारे और भी कारें खड़ी रहती हैं। पुलिस ने बताया कि कुंदन कुमार सेना से सेवानिवृत्त थे और रंजन कुमार छोटा मोटा काम करते थे। दोनों रोशन नगर इलाके में पिछले करीब 10 साल से रह रहे थे।



संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भारत की नई शिक्षा नीति की तारीफ

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 61वें सत्र में भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के समावेशी शिक्षा मॉडल की सराहना हुई। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधार्थी जैन ह्यूबल ने कहा कि यह नीति दिव्यांग बच्चों के अधिकारों को मजबूत करती है और परीक्षा-केंद्रित व्यवस्था से आगे बढ़कर कौशल व योग्यता आधारित शिक्षा को बढ़ावा देती है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 61वें सत्र में भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के समावेशी शिक्षा मॉडल की वैश्विक स्तर पर सराहना की गई है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधार्थी जैन ह्यूबल ने जेनेवा में परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की यह नीति दिव्यांग बच्चों के अधिकारों को सुरक्षित करने की दिशा में एक सशक्त कदम है।



ह्यूबल ने रेखांकित किया कि पारंपरिक परीक्षा-केंद्रित प्रणाली के बजाय भारत अब कौशल और योग्यता आधारित शिक्षा पर जोर दे रहा है। उन्होंने विशेष रूप से अक्षर फाउंडेशन जैसे संगठनों के कार्यों का उल्लेख किया, जो सरकारी स्कूलों के साथ मिलकर दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ रहे हैं। ह्यूबल के अनुसार सहायक तकनीकों और लचीले शिक्षण रास्तों के माध्यम से भारत के लगभग 21 लाख विशेष आवश्यकता वाले छात्रों को

सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने वैश्विक समुदाय से भारत के इस होलिस्टिक (समग्र) शिक्षा मॉडल को समर्थन देने की अपील की, जो न केवल साक्षरता बल्कि रोजगार और सामाजिक भागीदारी पर भी केंद्रित है। बता दें कि भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा प्रणाली में बड़ा बदलाव लेकर आई है। यह नीति पारंपरिक परीक्षा-केंद्रित शिक्षण रास्तों के माध्यम से भारत को योग्यता आधारित शिक्षा पर जोर देती है।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता लागू करने की तैयारी तेज, ब्रिटिश संसद में चर्चा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश सरकार के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष भारत और ब्रिटेन के बीच कुल व्यापार 47.2 अरब पाउंड रहा, जो एक साल में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। इस समझौते से वर्ष 2040 तक दोनों देशों के बीच व्यापार में लगभग 25.5 अरब पाउंड की वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लागू करने की तैयारी तेज हो गई है। ब्रिटेन की संसद के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स में इस समझौते को लेकर चर्चा हुई, जिसमें सांसदों ने इसके विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। ब्रिटेन के व्यापार एवं उद्योग विभाग के राज्य मंत्री लॉर्ड जेसन स्टॉकवुड ने कहा कि अब सरकार का ध्यान समझौते पर हस्ताक्षर से आगे बढ़कर उसके क्रियान्वयन पर केंद्रित हो गया है। उन्होंने बताया कि इस समझौते के लागू होने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है और उम्मीद है कि यह इस वर्ष



के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

उन्के अनुसार, इस समझौते के तहत भारत 90 प्रतिशत वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेगा, जिससे ब्रिटेन के मौजूदा निर्यात के लगभग 92% हिस्से को लाभ मिलेगा। बहस के दौरान कुछ सांसदों ने कहा कि यह समझौता केवल नए बाजार खोलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे व्यापार को स्थिरता मिलेगी, आपूर्ति श्रृंखलाएं मजबूत होंगी और दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग भी बढ़ेगा। ब्रिटिश संसद

में इस समझौते की पुष्टि की प्रक्रिया जारी है। सांसदों और लॉर्ड्स द्वारा सभी पहलुओं पर चर्चा के बाद इस लागू किया जाएगा, जिसकी संभावना अगले महीने जताई जा रही है। इससे ब्रिटेन को शुरुआत में हर साल करीब 40 करोड़ पाउंड की शुल्क बचत होने का अनुमान है, जो अगले दस वर्षों में बढ़कर लगभग 90 करोड़ पाउंड तक पहुंच सकता है।

उन्होंने बताया कि इस समझौते के बाद भारत में औसत आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटकर करीब 3 प्रतिशत रह जाएगा। ब्रिटिश सरकार के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष भारत और ब्रिटेन के बीच कुल व्यापार 47.2 अरब पाउंड रहा, जो एक साल में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। इस समझौते से वर्ष 2040 तक दोनों देशों के बीच व्यापार में लगभग 25.5 अरब पाउंड की वृद्धि होने की उम्मीद है।

पश्चिम एशिया में जंग का असर: होर्मुज मार्ग पर मंडराए संकट के बादल

ईरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान, इराक और अमेरिका के बढ़ते तनाव ने दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा जलधारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को जोखिम में डाल दिया है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की लगभग 90% जरूरतें आयात पर निर्भर करता है, जिसमें से अधिकांश तेल इस मार्ग से आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मार्ग पर किसी भी बाधा से तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं, जिससे भारत के आयात बिल और अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर पड़ सकता है पश्चिम एशिया में ईरान, इराक और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री जीवनरेखा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को जोखिम में डाल दिया है। ऊर्जा बाजार विश्लेषकों और इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) के आकलन के अनुसार, यदि संघर्ष लंबा खिंचता है या इस समुद्री मार्ग पर बाधा आती है, तो भारत को तेल और गैस आपूर्ति के साथ-साथ निर्यात व्यापार भी प्रभावित हो सकता है। इसी आशंका को देखते हुए भारत सरकार संभावित ऊर्जा



और व्यापारिक संकट को लेकर सतर्क हो गई है। यूएस एनर्जी इन्फार्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन (ईआईए) के अनुसार फारस की खाड़ी से निकलने वाला अधिकांश तेल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होकर गुजरता है, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा समुद्री मार्गों में से एक है। यह

जलडमरूमध्य अपने सबसे संकरे हिस्से में लगभग 33 किमी चौड़ा है। भारत के संदर्भ में यह मार्ग और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 90 प्रतिशत आयात करता है। पेट्रोलियम प्रतियोग एंड एनॉलिसिस सेल (पीपीएसी) के आंकड़ों

के मुताबिक भारत प्रतिदिन करीब 25 से 27 लाख बैरल कच्चा तेल आयात करता है। इसका बड़ा हिस्सा इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आता है।

यही जहाज होर्मुज मार्ग से होकर भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचते हैं। ऊर्जा बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि तेल कीमतों में मामूली उतार-चढ़ाव भी भारत की अर्थव्यवस्था पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है। कर्माडोटी बाजार विश्लेषण के अनुसार, कच्चे तेल की कीमत में हर 1 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी से भारत के वार्षिक आयात बिल में लगभग 2 अरब डॉलर तक की वृद्धि हो सकती है।

भारत पर कैसे पड़ेगा असर? यहां समझिए : यदि वैश्विक तनाव के कारण कीमतों में लगातार 10 डॉलर तक की बढ़ोतरी होती है तो भारत पर अतिरिक्त 13 से 14 अरब डॉलर का बोझ पड़ सकता है।

जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो भारत को उसी की मात्रा का तेल खरीदने के लिए अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं, क्योंकि

तेल का व्यापार वैश्विक स्तर पर डॉलर में होता है। इससे भारत का आयात बिल बढ़ जाता है, जबकि निर्यात उतनी तेजी से नहीं बढ़ता। नवीजतन देश से बाहर जाने वाली विदेशी मुद्रा ज्यादा हो जाती है, जिससे चालू खाते का घाटा (करेंट अकाउंट डेफिसिट) बढ़ने लगता है। ऊर्जा बाजार पर नजर रखने वाली संस्थाओं के मुताबिक हिंदू ईरान के लगभग 33 लाख बैरल प्रतिदिन के तेल उत्पादन में व्यवधान आता है तो वैश्विक बाजार में तुरंत असर दिख सकता है। विश्लेषकों का अनुमान है कि ऐसी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 9 से 15 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। यदि संघर्ष और गंभीर हो जाता है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बाधित होती है, तो ब्रेट क्रूड की कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल या उससे अधिक तक पहुंच सकती है।

पेट्रोल ही नहीं, रसोई गैस की आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है : यह संकट केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रह सकता।

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ इकाई रीवा की मासिक बैठक सम्पन्न



मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ इकाई रीवा की मासिक बैठक ग्राम हर्दीकला में आयोजित की गई। बैठक का आयोजन संतोष कुमार सिंह के प्रांगण में ग्राम इकाई हर्दीकला के अध्यक्ष वीरेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुआ बैठक में राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री रविदत्त सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे इसके साथ ही ग्राम इकाई धुंधकी के अध्यक्ष दीनानाथ पटेल सहित अन्य गणमान्य नागरिक भी बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान क्षेत्र के किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। किसानों ने बताया कि ग्राम हर्दीकला में नवहू कनाल की माइनर नहर स्वीकृत है जिसमें कुछ किसानों को मुआवजा मिल चुका है जबकि कई किसानों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। साथ ही नहर का निर्माण कार्य भी अधूरा पड़ा हुआ है जिसके कारण खेतों की सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है और किसानों को खेती में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने प्रशासन से शीघ्र नहर निर्माण कार्य पूर्ण कराने और शेष किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग की बैठक में किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के लिए किए जा रहे पंजीयन में भी अनियमितता की शिकायत की।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ी

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी की जाती है समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है अब किसान 10 मार्च तक अपना पंजीयन करा सकेंगे इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि किसान एमपी किसान एप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा ई-उपार्जन मोबाइल एप के माध्यम से अपना पंजीयन करा सकते हैं। सीधी जिले में गेहूँ उपार्जन के लिए प्रस्तावित सभी खरीदी केंद्रों पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है उन्होंने सभी किसानों से निर्धारित खरीदी केंद्रों में अपना ऑनलाइन पंजीयन अनिवार्य रूप से कराने की अपील की है क्योंकि केवल पंजीयन

किसानों का कहना था कि पंजीयन के लिए क्रियोस्क संचालकों द्वारा प्रति किसान 100 रुपये तक की राशि ली जा रही है, जबकि शासन द्वारा निर्धारित शुल्क 50 रुपये है। किसानों ने इस मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की। इसके अलावा किसानों ने विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताई। किसानों ने बताया कि कई स्थानों पर मोटर रीडर नियमित रूप से रीडिंग लेने नहीं आते, जिसके कारण उपभोक्ताओं को बड़े हुए और गलत बिजली बिल भेजे जा रहे हैं। किसानों ने कहा कि जब तक बिजली बिलों में सुधार नहीं किया जाएगा, तब तक उपभोक्ता बिल जमा नहीं करेंगे। उन्होंने विभाग से बिलों की जांच कर सही बिल जारी करने की मांग की। बैठक में किसानों की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करने का निर्णय लिया गया इस अवसर पर रविदत्त सिंह, वीरेन्द्र प्रताप सिंह, जीतेन्द्र सिंह, दीनानाथ पटेल, हरीश प्रसाद रजक, ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, राजेन्द्र बहादुर सिंह, संतोष सिंह, विष्णु प्रताप सिंह, शिवशरण यादव, संतोष कुमार सिंह, रावेन्द्र सिंह, अरुण प्रताप सिंह, ओम सिंह परिहार, अनूप कुमार सिंह तथा कुनाल सिंह सहित कई किसान उपस्थित रहे।

किसानों से ही समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी की जाएगी। किसान स्वयं के मोबाइल या कंप्यूटर से भी पंजीयन कर सकते हैं इसके अलावा खरीदी केंद्रों तथा ग्राम पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केंद्रों पर निःशुल्क पंजीयन की व्यवस्था की गई है किसान 50 रुपये शुल्क देकर एमपी ऑनलाइन क्रियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र तथा साइबर कैफे के माध्यम से भी पंजीयन करा सकते हैं। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि पंजीयन के समय किसान आधार संख्या से लिंक बैंक खाते की जानकारी अवश्य दर्ज करें, जिससे भुगतान की राशि सीधे ऑनलाइन खाते में की जा सके। पंजीयन कराने के लिए किसान को बोल एप खोलें के खरा नंबर को क्रम पुस्तिका तथा आधार से लिंक बैंक खाते की जानकारी प्रस्तुत करनी होगी।

बाघ 67 ने शावक को मारा, संजय टाड़गर रिजर्व में बाघिन के बच्चे का शिकार



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। संजय टाड़गर रिजर्व में एक नर बाघ मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र) 1-67 ने बाघिन मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र) 1-40 के एक शावक का शिकार कर उसे खा लिया। यह घटना गुरुवार सुबह सफारी के दौरान सामने आई, जब जंगल भ्रमण पर गए पर्यटकों ने बाघ को शावक को खाते हुए देखा पर्यटकों ने तत्काल इसकी सूचना टाड़गर रिजर्व प्रबंधन को दी बाघिन मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र) 1-40 पिछले तीन महीनों से अपने तीन शावकों के

साथ जंगल के अलग-अलग हिस्सों में रह रही थीं। वह लगातार अपने बच्चों को सुरक्षित रखने का प्रयास कर रही थी और कई बार जंगल के किनारे वाले इलाकों में भी देखी गई थी। हालांकि, वह अपने एक शावक को नर बाघ के हमले से नहीं बचा सकी। शावक को बचाने के लिए बाघिन ने प्रयास भी किया, लेकिन 3-67 के हमले के सामने उसकी कोशिशें नाकाम रहीं पर्यटकों द्वारा घटना की जानकारी अधिकारियों तक पहुंचाई गई।

आत्मनिर्भरता की मिसाल बना ग्राम गजरी का महुआ प्रसंस्करण केंद्र, महुआ लड्डू और कुकीज से बदल रही ग्रामीण महिलाओं की तकदीर

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। विकासखंड मझौली अंतर्गत ग्राम गजरी में महिलाओं ने महुआ को आजीविका का सशक्त माध्यम बनाकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है मध्य प्रदेश राज्य आजीविका मिशन एवं इंस्टीट्यूट ऑफ लाइवलीहुड रिसर्च एंड ट्रेनिंग के सहयोग से संचालित हरित भारत फंड परियोजना के अंतर्गत यहाँ महुआ प्रसंस्करण केंद्र की स्थापना की गई है इस केंद्र में 25 से 30 महिलाएं महुआ लड्डू और महुआ कुकीज का निर्माण कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। कुछ वर्ष पहले तक गांव की महिलाएं महुआ एकत्रित करने के लिए पेड़ों के नीचे आग लगा देती थीं, जिससे मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण को



नुकसान पहुंचता था उत्पादन में गिरावट आती जा रही थी और बाजार में महुआ का उचित मूल्य भी नहीं मिल पाता था। महिलाओं के पास आत्मनिर्भर बनने का कोई सशक्त साधन नहीं था इसी दौरान हरित भारत फंड

परियोजना के अंतर्गत सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट स्वामी शरण कुशवाहा और परियोजना प्रबंधक हिमांशु भारद्वाज ने गांव में उत्पादक समूहों का गठन कर जागरूकता अभियान शुरू किया महिलाओं को महुआ को नेट के माध्यम से एकत्रित करने का



प्रशिक्षण दिया गया नेट उपलब्ध नहीं होने पर पुरानी साड़ियों से जाल बनाकर महुआ संग्रहण कराया गया इससे समय की बचत हुई और बेहतर गुणवत्ता के कारण महुआ को बाजार में अच्छा मूल्य मिलने लगा। बढ़ती मांग को देखते हुए

महिलाओं ने वन विभाग और आजीविका मिशन से संपर्क किया जिसके बाद कई महिलाओं को महुआ नेट उपलब्ध कराए गए आज गांव की अधिकांश महिलाएं नेट के माध्यम से महुआ संग्रहण कर रही हैं और इसकी मांग लगातार

बढ़ रही है महिलाओं को स्थायी आय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम गजरी में महुआ प्रसंस्करण केंद्र की स्थापना की गई यहां तैयार किए जा रहे महुआ लड्डू और कुकीज स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक पहचान बना रहे हैं।

केंद्र का उद्घाटन और निरीक्षण क्षेत्रीय विधायक कुवर सिंह टेकाम द्वारा किया गया। सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने भी केंद्र का भ्रमण कर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए महुआ उत्पादों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है महुआ लड्डू और कुकीज प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला सहित कई मंत्रियों और विधायकों को भेंट किए गए।

कुसमी में कक्षा 5वीं एवं 8वीं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में जिला शिक्षा अधिकारी सीधी के नेतृत्व में आज से कक्षा 5वीं एवं 8वीं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ किया गया कुसमी में यह मूल्यांकन कार्य प्राचार्य मंडल स्कूल राजकुमार सिंह तथा बीआरसीसी अंगिरा

लिए 2 कक्ष तथा कक्षा 8वीं के लिए 3 कक्ष निर्धारित किए गए हैं जहां व्यवस्थित रूप से मूल्यांकन कार्य प्रारंभ कराया गया। कुसमी में संचालित कक्षा 5वीं एवं 8वीं के मूल्यांकन कार्य का प्रथम दिवस सहायक संचालक ओशो उत्सव तथा एपीसी डॉ. सुजीत मिश्र, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सीधी द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मूल्यांकन कार्य की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

महिला दिवस पर नगर पालिका की पहल महिलाएं कर रहीं पौधारोपण और पेयजल गुणवत्ता जांच

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। नगर पालिका परिषद सीधी द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों संचालित की जा रही हैं। नगर पालिका क्षेत्र में 'बुमन फॉर्टी' अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) से जुड़ी स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाएं शहर के विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण के साथ महिलाएं घर-घर जाकर पेयजल की गुणवत्ता की जांच (वाटर क्वालिटी टेस्टिंग) का कार्य भी कर रही हैं जिससे नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके यह कार्य महिलाओं के लिए आजीविका



का एक महत्वपूर्ण साधन भी बन रहा है। इसके माध्यम से उन्हें प्रतिमाह लगभग 3 से 4 हजार रुपये तक की आय प्राप्त हो रही है। उल्लेखनीय है कि इन गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए 13 मार्च को भारत मंडप में आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है जहां देशभर से आई महिलाओं के साथ उन्हें अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिलागा।

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के कार्यक्रमों से सैकड़ों छात्र-छात्राएं लाभान्वित

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना प्रकोष्ठ उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय दिव्यगवां जवा (रीवा) में तिमाही कैलेंडर के अनुसार माह जनवरी एवं फरवरी 2026 में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की मासिक रिपोर्ट निर्धारित प्रारूप में जिला संभाग एवं भोपाल स्थित उच्च अधिकारियों को प्रेषित की गई है इन कार्यक्रमों के माध्यम से महाविद्यालय के विभिन्न वर्गों के छात्र छात्राओं को कैरियर मार्गदर्शन एवं व्यक्तिगत विकास संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई प्राप्त जानकारी के अनुसार जनवरी 2026 में आयोजित कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति अनुसूचित



जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जनवरी माह में कुल 18 पुरुष छात्र एवं 73 महिला छात्राएं कार्यक्रमों से लाभान्वित हुईं। इसी प्रकार फरवरी 2026 में भी विभिन्न विषयों पर आयोजित मार्गदर्शन सत्रों में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली जिसमें 29 पुरुष छात्र एवं 73 महिला छात्राएं शामिल रहीं। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत महाविद्यालय के विषय विशेषज्ञों

द्वारा अलग-अलग विषयों पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। 12 जनवरी 2026 को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर डॉ. राजेश बुनकर एवं अन्य विशेषज्ञों ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरणा लेकर अपने कैरियर निर्माण के लिए जागरूक रहने का संदेश दिया। 16 जनवरी को स्टार्टअप दिवस पर छात्रों को स्वरोजगार और नवाचार के अवसरों की जानकारी दी गई। इसके अलावा 23 जनवरी को

आजाद हिंद फौज दिवस के अवसर पर प्रो. सुदीप कुमार पाण्डेय ने युवाओं में राष्ट्रभक्ति और नेतृत्व क्षमता पर प्रकाश डाला। 1 फरवरी को राजवेश सिंह राठौर द्वारा इंडिजिनस नॉलेज से संबंधित जानकारी साझा की गई वहीं 2 फरवरी को डॉ. ज्ञानेन्द्र पाठक ने वेदलैंग संरक्षण के विषय पर विद्यार्थियों को जागरूक किया। 10 फरवरी को डॉ. अतुल पाण्डेय द्वारा आईटी और डिजिटल साक्षरता विषय पर मार्गदर्शन दिया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दिनेश यादव ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी हैं उन्होंने बताया कि इन आयोजनों से छात्र-छात्राएं अपने कैरियर के प्रति जागरूक होकर भविष्य में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

कलेक्टर ने जयंत कोल माइंस का निरीक्षण किया, पर्यावरण और परिवहन व्यवस्था की समीक्षा

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। कलेक्टर गौरव बैनल ने जयंत कोल माइंस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कोयला उत्पादन, सुरक्षा व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण और कोयला परिवहन से जुड़ी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की कलेक्टर बैनल ने अधिकारियों से वार्षिक उत्पादन लक्ष्य की जानकारी ली और इसे शत-प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए उन्होंने खदान से निकलने वाले कोयले के ग्रेड की जानकारी भी प्राप्त की और उत्पादन प्रक्रिया को निर्धारित मानकों के अनुसार संचालित करने पर जोर दिया सुरक्षा व्यवस्थाओं पर विशेष जोर देते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि खनन कार्य के दौरान सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया जाए इसका उद्देश्य श्रमिकों की

सुरक्षा सुनिश्चित करना है उन्होंने ब्लास्टिंग के दौरान भी निर्धारित सुरक्षा मानकों का अनिवार्य पालन करने को कहा। पर्यावरण संरक्षण के संबंध में कलेक्टर गौरव बैनल ने खनन कार्य पूर्ण हो चुके क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौधारोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मोरवा क्षेत्र के विस्थापन प्रक्रिया को समय पर पूरा करने और खनन क्षेत्र के पास स्थित आवासों के लिए मुआवजा वितरण कर परियोजना को आगे बढ़ाने का भी निर्देश दिया कोयला परिवहन व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने यातायात नियंत्रण और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उपायों की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोयले का परिवहन निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार ही किया जाए।

किराना दुकानदार पर हमला शराब पीने से रोकने पर दुकान में घुसकर मारपीट

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। बेहैन बस स्टैंड में रात एक किराना दुकानदार पर हमला किया गया कुछ अज्ञात युवकों ने दुकान में घुसकर दुकानदार के साथ मारपीट की यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है जिसमें आरोपी दुकान का शटर उठाकर अंदर घुसते और दुकानदार पर हमला करते दिख रहे हैं किराना स्टोर के संचालक दिलीप कुमार गुप्ता ने बताया कि उनकी दुकान के पास कुछ युवक शराब पी रहे थे और वहीं पेशाब भी कर दिया। जब दुकानदार ने उन्हें ऐसा करने से रोका और उस जगह को साफ करने के लिए कहा, तो युवक नाराज हो गए।

राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह जी का भाजपा कार्यालय अटल कुंज सहित जिले भर के कई स्थानों में हुआ स्वागत

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह जी एक दिवसीय प्रवास पर रीवा पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता जी के अगुवाई में राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह जी का भव्य स्वागत चंदन ए अभिनन्दन चाकघाटए मनगवांए रतहराए नया बस स्टैंड फ्लाई ओवरए सहित भाजपा कार्यालय अटल कुंज में हुआ। स्वागत समारोह के दौरान आतिशबाजी भी की गई। जिसमें भाजपा के वरिष्ठ नेताए कार्यकर्ताए जनप्रतिनिधिए महिलाएं व सभी मोर्चों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र गुप्ता द्वारा गजमाला से स्वागत किया गया



भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने उद्बोधन में कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के त्याग व परिश्रम के परिणामस्वरूप आज पुष्पित और पल्लवित हो रही है। पार्टी के

प्रत्येक कार्यकर्ता अपने आचार विचार और व्यवहार से लगातार पार्टी को मजबूत करने के लिए अग्रसर है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज अनेकों जन

कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति का जीवन किस प्रकार से सहज और सरल हो इसके लिए हमसब लोग काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के विकासित



भारत 2047 तक के लक्ष्य के लिए हमसब लोग एक साथ भारत माता को परम वैभव तक पहुंचाने के लिए पूरी ताकत और ऊर्जा के साथ अर्हसन पार्टी व समाज के कामों में लगे रहेंगे।

आज रीवा में विकास के पंख लाने चुके हैं हम नानीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में उड़ान योजना के माध्यम से रीवा में लगातार हवाई सेवाओं का विस्तार हो रहा है।

अमेरिका का मुगालता, रूस से तेल खरीद की छूट उदारता नहीं बल्कि मजबूरी

अमेरिकी प्रशासन द्वारा भारत को रूस से एक माह तक तेल खरीदने की छूट को लेख मजबूरी बताया है, उदारता नहीं। भारत ने यूरोपीय संघ से व्यापार समझौता कर अमेरिका को संदेश दिया कि उसके पास अन्य विकल्प हैं। अमेरिकी प्रशासन ने भारत को रूस से एक माह तक तेल खरीदने की जो कथित छूट दी, उससे कुछ ऐसा ध्वनित हो रहा है कि यह तय करने का अधिकार उसने अपने हाथ ले लिया है कि कौन देश किससे, कब तेल खरीद सकता

है और कौन नहीं? उसके पास ऐसा कोई अधिकार न था, न है और न हो सकता है, लेकिन यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के बहाने वह लंबे समय से भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव बनाए हुए है। उसने भारत पर रूस से तेल खरीदने के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी थोपा, पर भारत ने इसकी परवाह नहीं की। अखिरकार उसने अपने स्तर से ही भारत से अंतरिम व्यापार समझौता पर सहमत बन जाने की घोषणा करते हुए पारस्परिक

टैरिफ 25 से 18 प्रतिशत किया और रूस से तेल खरीदने के कारण लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ को खत्म किया। वास्तव में वह ऐसा करने के लिए बाध्य हुआ, क्योंकि भारत ने यूरोपीय संघ से सभी व्यापार समझौते की जननी कहे जाने वाला व्यापार समझौता कर उसे यह संदेश दिया कि उसके पास और भी विकल्प हैं। सच यह भी है कि भारत

ने रूस से तेल खरीद पूरी तौर पर कभी भी बंद नहीं की। जनवरी और फरवरी माह में भी उसने रूस से तेल खरीदा। इसके अलावा भारत-बा-बार यह भी दोहराता रहा है कि वह अपने ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए रूस समेत कहीं से भी तेल खरीदने के लिए स्वतंत्र है। अखिर जब भारत रूस से तेल खरीद ही रहा है तो फिर अमेरिका के यह कहने का क्या मतलब

कि वह भारत को उससे 30 दिन के लिए तेल खरीदने की छूट दे रहा है? अमेरिका ने तथाकथित उदारता दिखाते हुए भारत को रूस से तेल खरीदने की जो मंजूरी दी, वह उसकी मजबूरी का ही परिचायक है। वह जानता है कि ईरान से युद्ध के कारण पश्चिम एशिया से तेल एवं गैस की आपूर्ति बाधित हो रही है और उनके दाम भी बढ़ रहे हैं। इससे समुची विश्व अर्थव्यवस्था के समक्ष जो संकट पैदा होगा, उसके दुष्प्रभाव से वह भी नहीं बच पाएगा। इसकी भी अन्देखी नहीं की जा

सकती कि तेल एवं गैस की आपूर्ति का जो वैश्विक संकट खड़ा हो गया है, उसके लिए मूलतः अमेरिका ही जिम्मेदार है। यदि वह इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला नहीं करता तो होर्मुज जल मार्ग से तेल की आपूर्ति बाधित नहीं होती। यह अमेरिका की जिम्मेदारी है कि वह उन्नत जल मार्ग से पश्चिम एशियाई देशों से आने वाले तेल की आपूर्ति की बाधाओं को दूर करे, लेकिन फिलहाल वह इसमें समर्थ नहीं दिख रहा है, क्योंकि ईरान हार मारने को तैयार नहीं।

संपादकीय

राष्ट्रीय भाव से बड़ी विचारधारा नहीं –नौजवानों में राष्ट्रीयता की भावना को जगाने की तात्कालिक जरूरत

किशन राममुखदास भावनाजी

वैश्विक स्तर पर सबसे युवा देश जिसकी 65 फ्रीसेदी आबादी उसकी सबसे मूल्यवान संपत्ति है वह है भारत। जहाँ दुनियाँ की युवा आबादी का पाँचवा हिस्सा है जो एक जनसांख्यिकीय लाभांश पैदा करने की ताकत रखता है, इतिहास गवाह है कि आज तक दुनियाँ में जितने भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, चाहे वे सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक रहे हों, उनके मुख्य आधार युवा ही रहे हैं। भारत में भी युवाओं का एक समृद्ध इतिहास है। प्राचीनकाल में आदिपुरु शंकराचार्य से लेकर गौतम बुद्ध और महावीर स्वामी ने अपनी युवावस्था में ही धर्म और समाज सुधार का बीड़ा उठया था। पुनर्जागरण काल में राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती के साथ विवेकानंद जैसे युवा विचारक ने धर्म और समाज सुधार आंदोलन का नेतृत्व किया। इतिहास ने युवाओं की शक्ति का प्रभाव देखा है। उदाहरण के तौर पर भारत की आजादी में अनेक युवाओं ने अपना योगदान दिया और कई युवाओं ने बलिदान तक दिया। इसके परिणामस्वरूप हमारा देश ब्रिटिश सरकार को भागने में कामयाब हुआ। युवाओं ने इस प्रकार अनेक ऐतिहासिक बदलाव किए हैं। इसलिए आज का युवा भी विजन 2047, विजन 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की देश की अर्थव्यवस्था के महत्वकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जो कार्यबल के साथ साथ बाजार की उपलब्धि करा सकता है। नवाचार, नवोन्मेष, स्टार्टअप, उद्यमशीलता, विविधता की संस्कृति को चला रहे हैं। ऐसी मूल्यवान ताकत युवाओं में हमें राष्ट्र हित से जुड़े मुद्दों की समझ विकसित करने, उनकी चिंताओं जिज्ञासाओं को समझकर उनकी उत्साहवर्धन करने की तात्कालिक खास जरूरत है जो सर्वोपरि राष्ट्र सेवा है, क्योंकि यदि राष्ट्रहित सर्वोपरि होगा तो हमारा राष्ट्र आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, अन्तर्राष्ट्रीय बाधाओं सहित अनेक मुद्दों और विषयों में सुरक्षित होगा।

साथियों बात अगर हम युवाओं को उत्साहवर्धन की करें तो आज अभिभावकों, शिक्षकों, बुद्धिजीवियों, राजनीतिक नेताओं से लेकर हर उस जानकार व्यक्तित्व का कर्तव्य है कि युवाओं में राष्ट्रहित की भावना को तेजी से विकसित करें युवाओं में यह भाव पैदा करना होगा कि घर से महत्वपूर्ण समाज, उस से महत्वपूर्ण गांव, शहर, राष्ट्र है। इसलिए राष्ट्र हित की भावना सबसे पहले युवाओं में जागृत कराना जरूरी है। क्योंकि, युवा राष्ट्र का सरचनात्मक और कार्यात्मक ढांचा है। हर राष्ट्र की सफलता का आधार उसकी युवा पीढ़ी और उनकी उपलब्धियाँ होती हैं। राष्ट्र का भविष्य युवाओं के सर्वांगीण विकास में निहित है। इसलिए युवा राष्ट्र निर्माण में सर्वोच्च भूमिका निभाते हैं, इसके साथ ही देश का प्रत्येक नागरिक अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट और सर्वोच्च विकास के लिए प्रयासरत रहे। वास्तव में यही राष्ट्रहित है। जाति, धर्म और क्षेत्रीयता की संकीर्ण मानसिकता से ऊपर उठकर देश के प्रति गर्व की एक गहरी भावना महसूस करना ही राष्ट्रवाद है।

साथियों बात अगर हम भारत के सबसे कम उम्र वाली आबादी होने की करें तो, भारत के 1.35 बिलियन लोग इसे दुनियाँ का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश बनाते हैं, लेकिन औसतन 29 वर्ष की आयु के साथ, यह विश्वस्तर पर सबसे कम उम्र की आबादी से से एक है। जैसे ही युवा नागरिकों का यह विशाल संसाधन कार्यबल में प्रवेश करता है, यह एक जनसांख्यिकीय लाभांश बना सकता है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष द्वारा जनसांख्यिकीय लाभांश को जनसंख्या की आयु संरचना में बदलाव के परिणामस्वरूप आर्थिक विकास के रूप में परिभाषित किया जाता है, मुख्यतः जब कामकाजी उम्र की आबादी आश्रितों की संख्या से बड़ी होती है।

साथियों बात अगर हम युवाओं में राष्ट्रहित, राष्ट्रीयता भावना जगाने की करें तो, पहला कार्य व्यक्ति निर्माण का है और राष्ट्रीय संस्कार व्यक्ति में बनेंगे तो निश्चित तौर से वह निज हित से ऊपर राष्ट्र हित को प्राथमिकता देगा। देश के हर वर्ग के युवा राष्ट्रहित को सर्वोपरि समझे तभी हम एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर पाएंगे। युवाओं को हमारे पूर्वजों से प्रेरणा लेनी चाहिए संस्कृति को समझना होगा। युवा संगठन से ऑनलाइन जुड़कर भी देश को मजबूती दे सकते हैं। राष्ट्र से बड़ा कोई संगठन नहीं है और राष्ट्रीय भाव से बड़ी विचारधारा नहीं हो सकती।

नरेन्द्र भारती

आज महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता की बुलंदियाँ छु रही हैं चांद तक अपनी काबिलियत का परचम लहरा रही हैं। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सैकड़ों कड़े कानून बनाए गए हैं मगर यह कानून सरकारी फाईलों की धूल तक रहे हैं अगर सही तरीके से लागू किए होते तो इन मामलों में इजाफा नहीं होता। आज महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है चाहे घर हो दफतर हो बस सड़क गली या चौराहा हो महिलाएं हर जगह असुरक्षित ही महसूस कर रही हैं। प्रतिदिन हैवानियत की हर्ष लांघी जा रही है महिलाओं की अस्मिता का जनाजा निकाला जा रहा है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक महिलाएं असुरक्षित हैं। आज हर जगह दुशासन महिलाओं की इज्जत नीलाम कर रहे हैं। विश्व गुरु कहलाने वाले भारत में महिलाओं पर जुल्मों की सूची लम्बी होती जा रही है। जब देश की राष्ट्रीय राजधानी ही सुरक्षित नहीं है तो महानगरों व छोटे कस्बों का क्या हाल होगा इससे अदांजा लगाया जा सकता है। 2020 में लकड़ाउन के समय महिलाएं सुरक्षित थीं मगर ज्यों ही लकड़ाउन खुल गया हैवानों ने हैवानियत शुरू कर दी थी। 2025 में भी दरिदों की हर्षें पर होती रही थी। आधी दुनिया पर बढ़ते अत्याचार देश के लिए अशुभ संकेत हैं। वर्ष 2026 में भी हालात सुधर नहीं रहे हैं देश में बेटियाँ हर जगह असुरक्षित महसूस कर रही हैं। बेटियों की सुरक्षा के दावे कहां हैं। यह एक यक्ष प्रश्न है। यह सुलाने प्रश्न है कि बेटियाँ कब सुरक्षित होंगी। साल के 365 दिन महिलाओं पर अत्याचार होते रहते हैं। आज महिलाओं पर अन्याय अत्याचार हो रहे हैं मगर सरकारों की कुम्भकर्णी नींद नहीं टूट रही है। आज कोई भी विश्वास के योग्य नहीं रहा है किस पर विश्वास करें अपने ही हैवान बन रहे हैं। आज बाबुल की गलियाँ ही नरक बन गई हैं। अपने रक्षक ही भक्षक बन गए हैं बहु-बेटियाँ घर में ही असुरक्षित हैं समय-समय पर ऐसे घिनौने कर्म होते हैं कि कारनाम कांप उठती है कि आदमी इतने नीच काम क्यों कर रहा है। महिलाएं कही भी महफूज नहीं हैं। महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार का नाम नहीं ले रहे हैं देश में प्रतिदिन घटित हो रही वारदातों से महिलाओं की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लगाता जा रहा है कि महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। इन वारदातों से हर भारतीय उद्बलित है। सुरक्षा के दावों की पोल खुल गई है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए

8 मार्च 2026 विश्व महिला दिवस पर विशेष



पुष्टा इतंजाम करने होंगे तभी इन पर रोक लग सकती है। जघन्य व दिल दहला देने वाली दुकर्म की घटनाओं से जनमानस खौफजदा है। अखिर कब तक बेटियाँ दरिदों का शिकार होती रहेंगी। ऐसी वारदातें बहुत ही चिंतीय हैं। बेटियों के दरिदों अराजकता फैला रहे हैं दरिदों की दरिदों की वारदातें कब रूकेगी अत्याचार की तारीख बदल जाती है मगर तस्वीर नहीं बदलती। हर रोज अस्मत् लुटी जा रही है। दरिदों द्वारा हर राज्य में दरिदों का साम्राज्य बना रहे हैं। दरिदों की अराजकता बढ़ती ही जा रही है। जंगलराज शक्तियों बन रही है। कानून को धात बतकर दरिदों दरिदों का तांडव कर रहे हैं। दरिदों को संराम मौत के घाट उतारना हागा ताकि आने वाले समय में दरिदों कड़े बार सोचेंगे की उनकी करतूतों का क्या अंजाम होगा। अब समय आ गया है कि दरिदों को फांसी की सजा से ही इन मामलों पर विराम लग सकता है। वर्ष 2026 के प्रथम माह जनवरी से ही महिलाओं पर अत्याचारों की शुरुआत हो चुकी है। जनवरी से लेकर 8 मार्च तक में देश में हजारों घटनाएं घटित हुई हैं। प्रतिदिन ऐसे मामले हो रहे हैं और निरंतर इन मामलों में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। छेड़छाड़ के अलावा जमानब व दुकर्म की घटनाएं भी बढ़ती जा रही हैं वर्ष 2019 में एक खौफनाक व दरिदों की हर्षें पर करने वाला घटनाक्रम पंजाब के मोगा में हुआ था जब बदांशों ने चलती बस में लडकी से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर बस से फेंक दिया जिस कारण उस लडकी की मौत हो गई थी। गत वर्ष

गुडिया कांड हुआ था। इससे पहले देश की राजधानी दिल्ली में दिल दहला देने वाला कृत्य हुआ था जब झारका नार्थ इलाके में देर रात टैक्सियों से घर लौट रही एक महिला से उबर जैसे रेंप का मामला घटित हो गया था। यह बहुत ही घिनौना कृत्य है कि ऐसे प्रकरण थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। देश में लडकियाँ कितनी महफूज हैं इन घटनाओं से अंदाजा लगाया जा सकता है। देश में हर रोज अनेक बच्चियों से लेकर अर्धे उम्र की महिलाओं से दुकर्म कर रहे हैं। फांसी की सजा से ही इन मामलों पर विराम लग सकता है। 2025 में भी अत्याचारों का सिलसिला बेखौफ चलता रहा दरिदों ने अपनी दरिदों का नंगा नाच जारी रखा। हजारों महिलाएं व नाबालिका बच्चियों दुकर्मों का शिकार हुईं। वर्ष 2026 के प्रथम माह जनवरी से ही महिलाओं पर अत्याचारों की शुरुआत हो चुकी है। जनवरी से लेकर 8 मार्च तक में देश में हजारों घटनाएं घटित हुई हैं। प्रतिदिन ऐसे मामले हो रहे हैं और निरंतर इन मामलों में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। छेड़छाड़ के अलावा जमानब व दुकर्म की घटनाएं भी बढ़ती जा रही हैं वर्ष 2019 में एक खौफनाक व दरिदों की हर्षें पर करने वाला घटनाक्रम पंजाब के मोगा में हुआ था जब बदांशों ने चलती बस में लडकी से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर बस से फेंक दिया जिस कारण उस लडकी की मौत हो गई थी। गत वर्ष

उत्तर प्रदेश का बंदायू एक बार फिर शर्मसार हुआ था जहां एक बार फिर दो नाबालिका बच्चों बहनों से गैरिरे का मामला प्रकाश में आया था पांच आरोपियों ने शौच को गई नाबालिकाओं को अगवा करके उनके साथ बंदूक की नोक पर दुकर्म किया था। आज बाल-विवाह हो रहे हैं नाबालिका लडकियों की शादियाँ अंधेरे से की जा रही हैं ऐसे लोगों के विरुद्ध समाज को कारवाई करनी चाहिए। 16 दिसंबर 2012 को जो हादसा दिल्ली में निर्भया के साथ हुआ था उसके बाद देश में महिलाओं से होने वाले दुकर्मों को बाढ़ सी आ गई कि हर दिन राजधानी से लेकर शहर व गांवों में सामूहिक दुकर्म धमकें का नाम ही नहीं ले रहे हैं। निर्भया के दरिदों को तो उनके पाप की सजा फांसी के रूप में मिल गई सचढ़ा। देश में आज भूय हत्याएं हो रही हैं नवजात शिशु झाड़ियों व कुड़ेदानों व मंदिरों में मिल रहे हैं जिनमें ज्यादातर शिशु लडकियाँ ही होती हैं। आज लडकियों से इतनी नफरत क्यों की जा रही है आदमी यह कैसे भूल रहा है कि जिसने उसे जन्म दिया वह भी एक लडकी ही थी। देश में ऐसे मामले प्रतिदिन घटित हो रहे हैं। नवजात व अनेक बच्चियों से दुकर्म हो रहे हैं। हिमाचल में हुए गुडिया कांड ने भी देवभूमि को हिला कर रख दिया था। दिल्ली में गुडिया के साथ ऐसा ही एक दरिदों का नाम ही जब एक किराएदार ने उसके साथ रह कर कंधे देने वाला घिनौना काम किया था। दरिदों हर जगह दरिदों की शरणस्थली बना रहे। कुछ बीमार मानसिकता के लोगो ने भारत की छवि को दागदार किया है। जनमानस को अब संकल्प लेना होगा तथा एकजुट होकर ऐसे लोगों का खालसा करना होगा जो देश के लिए कलंक हैं। फांसी के जितने भी मामले लंबित हैं त्वरित कारवाई करके दरिदों का सर्वनाश करना चाहिए। ताकि आने वाले समय में ऐसे अमानवीय कृत्यों पर लगाम लग सके। यदि अब भी कानूनों में सख्ती न बरती तो ऐसे दरिदों फिर से इन घिनौने वारदातों को अंजाम देते रहेंगे। इसलिए अब ऐसे लोगों को समाज से बहिष्कृत करना चाहिए। केन्द्र सरकार को चाहिए कि देश के सार्वजनिक स्थलों पर हर समय सुरक्षा व्यवस्था का काम की जाए। सादी वर्दी में महिला पुलिस तैनात करनी चाहिए। सरकार को बिना समय गंवाए इन दरिदों का खालसा करना चाहिए। ऐसे दरिदों देश के लिए घातक हो रहे हैं और निरंतर इन मामलों में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। छेड़छाड़ के अलावा जमानब व दुकर्म की घटनाएं भी बढ़ती जा रही हैं वर्ष 2019 में एक खौफनाक व दरिदों की हर्षें पर करने वाला घटनाक्रम पंजाब के मोगा में हुआ था जब बदांशों ने चलती बस में लडकी से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर बस से फेंक दिया जिस कारण उस लडकी की मौत हो गई थी। गत वर्ष

राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की बहुमुखी भूमिका, परिवार से समाज तक

डॉ. सुनीता बघेल सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान शासकीय महाविद्यालय, दिव्यागावा, रीवा, मध्य प्रदेश

किसी भी राष्ट्र की समग्र उन्नति और उसके चारित्रिक विकास की धुरी उस समाज में महिलाओं की स्थिति और उनकी सक्रिय भागीदारी में निहित होती है। 'राष्ट्र निर्माण' की संकल्पना केवल आर्थिक सूचकांकों या भौतिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय, नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक संघर्षों की एक व्यापक और सतत प्रक्रिया है। इस परिप्रेक्ष्य में महिलाओं की भूमिका अत्यंत 'बहुमुखी' सिद्ध होती है, जहाँ वे एक ओर परिवार रूपी प्राथमिक इकाई के आधार स्तंभ के रूप में उभरती हैं, तो दूसरी ओर समाज और वैश्विक अर्थव्यवस्था की प्रेरक शक्ति के रूप में राष्ट्र के भविष्य को दिशा देती हैं। परिवार, जिसे समाज की लघुतम किंतु सबसे महत्वपूर्ण

प्रशासनिक इकाई माना जाता है, राष्ट्र की नींव के सुदृढ़ीकरण का केंद्र है। यहाँ महिला का पद एक सृजन, 'निर्माता' की होती है। एक माँ के रूप में वह न केवल नई पीढ़ी का पालन-पोषण करती है, बल्कि भावी नागरिकों में राष्ट्रभक्ति, ईमानदारी और अनुशासन जैसे मूल्यों का बीजारोपण कर 'मूल्य संवर्धन' का कार्य करती है। यह परिवार रूपी पाठशाला ही है जहाँ से एक सशक्त राष्ट्र के चरित्र की नींव पड़ती है। इसी श्रृंखला में पत्नी और बेटी के रूप में उनकी भूमिका पारिवारिक सामंजस्य और मानसिक संबल प्रदान करने की होती है, जो अंततः एक स्वस्थ, संतुलित और तनावमुक्त समाज के निर्माण के लिए अपरिहार्य हैं।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर का यह कथन आज भी प्रासंगिक है कि 'मैं किसी समुदाय की प्रगति को उस समुदाय की महिलाओं द्वारा हासिल की गई प्रगति से मापता हूँ।'

'अदृश्य श्रम' की सीमाओं को लोचकर आर्थिक आत्मनिर्भरता के नए स्रोतों तक पहुँच चुकी है। आज भारत की विकास गति में महिलाओं की कार्यबल सहभागिता एक महत्वपूर्ण कारक बनकर उभरी है। कृषि की परंपरागत भूमिकाओं से लेकर कंप्यूटर जगत के नेतृत्वकारी पदों तक और सूक्ष्म उद्योगों से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे जटिल क्षेत्रों तक, महिलाओं का बढ़ता हस्तक्षेप राष्ट्र की नवाचार क्षमता और सकल घरेलू उत्पाद में क्रांतिकारी योगदान दे रहा है। यह आर्थिक स्वावलंबन न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहा है, बल्कि राष्ट्र की क्रय शक्ति और निवेश क्षमता को भी विस्तार दे रहा है।

राष्ट्र निर्माण का एक अन्य महत्वपूर्ण आयाम सामाजिक अल्पसंख्यकों का उन्मूलन और समावेशी शासन है। शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे बुनियादी क्षेत्रों में महिलाओं ने न केवल अपनी योग्यता सिद्ध की है, बल्कि

सामाजिक चेतना की मशाल भी धामी है। बाल विवाह, दहेज और लिंग भेद जैसी जड़ित समस्याओं के विरुद्ध आंदोलनों का नेतृत्व कर उन्होंने एक अधिक समतामूलक समाज की रूपरेखा तैयार की है। इसके अतिरिक्त, स्थानीय निकायों से लेकर संसद तक महिलाओं की शुरुआत हो चुकी है। राजनीतिक भागीदारी यह सुनिश्चित कर रही है कि देश की नीतियाँ न केवल विकासोन्मुखी हों, बल्कि उनमें मानवीय संवेदना और समावेशिता का पुट भी हो।

हालाँकि, इस बहुमुखी भूमिका के सफल निर्वहन के मार्ग में चुनौतियाँ अब भी विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी

कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमायुक्त वातावरण ही वह ऊर्ध्व भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तार कर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयोगी नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और उच्चतम शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमायुक्त वातावरण ही वह ऊर्ध्व भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तार कर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयोगी नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और उच्चतम शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमायुक्त वातावरण ही वह ऊर्ध्व भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तार कर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयोगी नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और उच्चतम शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमायुक्त वातावरण ही वह ऊर्ध्व भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तार कर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयोगी नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और उच्चतम शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमायुक्त वातावरण ही वह ऊर्ध्व भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तार कर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयोगी नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और उच्चतम शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमायुक्त वातावरण ही वह ऊर्ध्व भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तार कर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयोगी नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और उच्चतम शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमायुक्त वातावरण ही वह ऊर्ध्व भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तार कर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयोगी नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और उच्चतम शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमायुक्त वातावरण ही वह ऊर्ध्व भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तार कर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयोगी नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और उच्चतम शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमायुक्त वातावरण ही वह ऊर्ध्व भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तार कर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयोगी नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और उच्चतम शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमायुक्त वातावरण ही वह ऊर्ध्व भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तार कर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयोगी नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और उच्चतम शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमायुक्त वातावरण ही वह ऊर्ध्व भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तार कर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयोगी नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और उच्चतम शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमायुक्त वातावरण ही वह ऊर्ध्व भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तार कर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयोगी नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और उच्चतम शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमायुक्त वातावरण ही वह ऊर्ध्व भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तार कर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयोगी नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और उच्चतम शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमायुक्त वातावरण ही वह ऊर्ध्व भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तार कर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयोगी नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और उच्चतम शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमायुक्त वातावरण ही वह ऊर्ध्व भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तार कर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयोगी नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और उच्चतम शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ को समझने की आवश्यकता है; घर और बाहर के दायित्वों के बीच संतुलन बनाना केवल महिला का निजी कार्य नहीं, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। एक सुरक्षित और गरिमायुक्त वातावरण ही वह ऊर्ध्व भूमि है जहाँ महिलाएँ अपनी क्षमताओं का उच्चतम विस्तार कर सकती हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि राष्ट्र निर्माण की जटिल यात्रा में महिलाएँ मात्र सहयोगी नहीं, बल्कि इसकी मार्गदर्शक और ध्वजवाहक भी हैं। 'परिवार से समाज तक' का उनका यह सफर उनके अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता और उच्चतम शक्ति का परिचायक है। जब हम महिलाओं को समान अवसर और संवैधानिक अधिकार प्रदान करते हैं, तो हम वास्तव में एक विद्यमान हैं। लैंगिक अंतराल, समान कार्य के लिए समान वेतन की विसंगति और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ आज भी उनकी पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक हैं। समाज को अब 'दोहरे उत्तरदायित्व' के बोझ

हेल्थकेयर मैनेजमेंट में नया नजरिया लेकर उभरे डॉ. कुमार देवाशीष



मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। मान्या डायग्नोस्टिक के डायरेक्टर और रेडियोलॉजिस्ट डॉ. कुमार देवाशीष मानते हैं कि हेल्थकेयर केवल चिकित्सा सेवा तक सीमित नहीं बल्कि प्रभावी लीडरशिप और मजबूत मैनेजमेंट विजन का परिणाम है। लीडरशिप अनुभव को वे एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल बताते हैं उनका कहना है कि मेडिकल और हेल्थकेयर क्षेत्र में न सिर्फ क्लिनिकल पहलुओं पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए है एक संस्थान प्रमुख को मैनेजर के रूप में भी उतनी ही स्पष्टता के साथ सोचना होता है। बिनाए समय ने उनके कई अहम विषयों को स्पष्ट किया।

सबसे पहले उनका लॉग टर्म विजन साफ हुआ इसके साथ ही यह समझ बनी कि सेवाओं को और बेहतर कैसे किया जाए, क्या नई सुविधाएं जोड़ी जाएं और संस्था को किस प्रकार व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया जाए। सोशल मीडिया मार्केटिंग पर हुए सत्रों ने उन्हें ब्रांडिंग और डे रू डे मैनेजमेंट में इसके प्रभावी उपयोग का नया दृष्टिकोण दिया एआई को लेकर वे मानते हैं कि यह हेल्थ सेक्टर में सहयोगी भूमिका निभाएगा, प्रतिस्थापन नहीं। युवाओं के लिए वे तार्किक सोच, संवेदनशीलता और पेशेंट फर्स्ट अप्रोच को मजबूत नेतृत्व की आधारशिला बताते हैं।

खड़गावां के विभिन्न ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का आयोजन

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंकिता सोम के निर्देशानुसार जनपद पंचायत खड़गावां के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों और श्रमिकों को शासकीय योजनाओं की जानकारी देना तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना रहा। इस अवसर पर ग्राम पंचायतों के सरपंच, पंच, रोजगार सहायक, मेट तथा कार्यस्थल पर उपस्थित श्रमिकों की सक्रिय सहभागिता रही कार्यक्रम के दौरान श्रमिकों और ग्रामीणों को विकसित भारत राम से संबंधित जानकारी दी गई।



साथ ही उन्हें क्यूआर कोड स्कैन करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया, ताकि वे शासन की विभिन्न योजनाओं, नवीन प्रावधानों और सुविधाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकें ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि डिजिटल माध्यमों के जरिए

वे योजनाओं से जुड़ी जानकारी घर बैठे भी प्राप्त कर सकते हैं इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को अपने आवास निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया गया अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को

योजना के नियमों, पात्रता तथा मिलने वाले लाभों की जानकारी देते हुए समय पर निर्माण कार्य पूर्ण करने का आग्रह किया ताकि पात्र परिवारों को जल्द से जल्द पक्के घर का लाभ मिल सके। रोजगार दिवस के दौरान श्रमिकों को मनरेगा के तहत उपलब्ध रोजगार के अवसरों,



मजदूरी भुगतान प्रक्रिया तथा कार्यस्थल पर मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। इससे श्रमिकों में जागरूकता बढ़ी और उन्होंने योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की इच्छा जताई। इस आयोजन के

माध्यम से ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया तथा शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई ग्रामीणों ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे उपयोगी बताया।

काम के दौरान खंभे से गिरा युवक ; ठेकेदार पर दो माह का वेतन रोकने का आरोप



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। बदरवास थाना क्षेत्र में विद्युत कार्य के दौरान एक युवक को करंट लग गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया यह युवक पिछले 40 दिनों से कोमा में है पीड़ित परिवार ने ठेकेदार पर लालचवाही से काम करवाने, इलाज का खर्च न उठाने और दो माह का वेतन रोकने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम नोहरीकला चक्क निवासी धर्मेंद्र कुशवाह ने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में बताया कि उनका छोटा भाई

दीपक कुशवाह पिछले दो वर्षों से संतुष्टि ए.बी. रोड, शिवपुरी निवासी विद्युत ठेकेदार नरेंद्र जाट के साथ बिजली का काम कर रहा था। धर्मेंद्र के अनुसार यह घटना 25 जनवरी 2026 को दोपहर करीब 3 बजे हुई। ठेकेदार के निर्देश पर उसके सहयोगी रामवीर जाट, अखिलेश पंडित और आनंद शर्मा बदरवास फोरलेन पर दीपक से विद्युत कार्य करवा रहे थे इसी दौरान अचानक करंट लगने से दीपक खंभे से नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने बताया कि घटना के बाद ठेकेदार और उसके सहयोगियों

ने इलाज कराने का भरोसा दिया था जिसके कारण उस समय पुलिस में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई। 40 दिनों से कोमा में युवक दीपक का इलाज पहले शिवपुरी और फिर ग्वालियर में कराया गया लेकिन लगभग 15 दिन बाद ठेकेदार और उसके साथी इलाज की जिम्मेदारी छोड़कर चले गए परिवार के मुताबिक दीपक पिछले 40 दिनों से कोमा में है उसके इलाज में अब तक करीब 6 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं जिसके लिए उन्हें अपना प्लॉट तक बेचना पड़ा है। इसके अतिरिक्त दीपक और उसके भाई छोटा का दो माह का वेतन भी अभी तक नहीं दिया गया है पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से इस मामले की जांच कर संबंधित ठेकेदार और उसके सहयोगियों को खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और उन्हें न्याय दिलाने की मांग की है।

जिला स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

विद्यार्थियों ने जीवंत किया लोकतांत्रिक माहौल, तर्कपूर्ण बहस से दिखाई नेतृत्व क्षमता



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं और नेतृत्व क्षमता के विकास के उद्देश्य से सेज स्कूल मनेन्द्रगढ़ में जिला स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता 2026 का गरिमामय आयोजन किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मीरे के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले के तीनों विकासखंड मनेन्द्रगढ़, खड़गावां और भरतपुर के विभिन्न विद्यालयों के

विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने लोकसभा की कार्यवाही का प्रभावशाली मंचन करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जीवंत झलक प्रस्तुत की विद्यार्थियों ने लोकसभा अध्यक्ष, प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, मंत्रीमंडल के सदस्य और सांसदों की भूमिका निभाते हुए सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तर्कपूर्ण बहस और संवाद का प्रभावी प्रदर्शन किया कार्यक्रम में शपथ ग्रहण, प्रश्नकाल,

शून्यकाल, संविधान संशोधन तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा जैसी संसदीय प्रक्रियाओं का सजीव चित्रण किया गया विद्यार्थियों की प्रभावशाली वक्तुत्व शैली, तार्किक प्रस्तुति और आत्मविश्वास ने उपस्थित जनों को काफी प्रभावित किया इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मीरे ने कहा कि युवा संसद जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को लोकतंत्र की कार्यप्रणाली से परिचित कराने के साथ उनमें नेतृत्व क्षमता,

संवाद कौशल और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित करते हैं उन्होंने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों को समझने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम के दौरान युवा सांसद का प्रतिनिधित्व कर चुके शिवम जायसवाल से मोबाइल के माध्यम से विद्यार्थियों की बातचीत भी कराई गई। इस संवाद ने विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की प्राचार्य अर्चना वैष्णव सहित जे.एल. भास्कर, सुयोंदय सिंह, गौरव त्रिपाठी, नीलम दुवे, मनीषा तिवारी, इरफान खान, सरिता मिश्रा, आराधना एक्का, शिव चौधरी और सुरचि नमिता पाण्डेय का सराहनीय योगदान रहा।

मगरमच्छ के बच्चे का कुचला शव; वन विभाग ने शुरू की जांच

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। गुना बायपास पर शनिवार सुबह एक मगरमच्छ का बच्चा अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया इस तुरंत घटना में उसकी मौत पर ही मौत हो गई घटना वैशाली गार्डन के पास हुई। राहगीरों ने सुबह सड़क पर मगरमच्छ के बच्चे का कुचला हुआ शव देखा उन्होंने शव को सड़क से हटाकर किनारे किया और तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वन विभाग को जानकारी दी। इसके बाद वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ के शव को अपने कब्जे में लिया। मौत के कारणों की पुष्टि के लिए शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। घटनास्थल के आसपास खेत और पेड़-पौधे हैं आशंका है कि मगरमच्छ का बच्चा इन्हीं क्षेत्रों से निकलकर सड़क पर आया होगा और किसी भारी वाहन की चपेट में आ गया।

चलती कार में युवकों की स्टंटबाजी... खड़की से बाहर निकलकर करते रहे करतब



मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। सिरगिट्टी इलाके में चलती कार में स्टंट करने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के साथ दावा किया जा रहा है कि यह सिरगिट्टी थाना क्षेत्र के तिफरा इलाके के छ सेक्टर का है युवक तेज रफ्तार कार में खतरनाक करतब करते नजर आ रहे हैं। वायरल में साफ दिखाई दे रहा है कि कार में सवार युवक खड़की से बाहर निकलकर स्टंट कर रहे हैं चलती गाड़ी में इस तरह जान जोखिम में

डालकर करतब किए जा रहे हैं पीछे चल रही दूसरी कार में सवार एक व्यक्ति ने पूरी घटना को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया जिसके बाद यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर फैल गया बताया जा रहा है कि जिस कार में युवक स्टंट कर रहे थे वह दुर्ग जिले की पॉसिंग नंबर की है। कोर्ट के निर्देश और पुलिस की सख्ती के बाद भी स्टंटबाजी करने वाले युवक बाज नहीं आ रहे हैं। इस तरह के वीडियो लगातार सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

टाइगर और जलीव जीवों को जहरीले पानी का खतरा

वन बल प्रमुख की चिट्ठी, शाखासागर तालाब का पानी शुद्ध करने में तेजी से करें काम

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। एक ओर राज्य सरकार प्रदेश में वन्य जीवों की सुरक्षा और उनकी आबादी को लेकर गंभीर है दूसरी ओर अफसरों की लापरवाही के चलते माधव टाइगर रिजर्व में मौजूद टाइगर और अन्य वन्य जीवों का जहरीले पानी से खतरा बना हुआ है इस मामले में वन विभाग की सख्ती के बाद भी कोई एक्शन नहीं हो पाया है और वन बल प्रमुख ने एक बार फिर वन्य और जलीव जीवों के लिए खतरा बन रहे शाखासागर तालाब के शुद्धिकरण के लिए पत्र लिखा है। मध्यप्रदेश के माधव टाइगर रिजर्व के तहत आने वाले शाखासागर तालाब (चांदवादा) में बढ़ते प्रदूषण को लेकर वन विभाग ने गंभीर चिंता जताई है। इसको लेकर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख को अधिकारियों को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पत्र में कहा गया है कि



पिछले कुछ सालों से शिवपुरी शहर का प्रदूषित सीवेज पानी बिना उपचार के तालाब में छोड़ा जा रहा है इसके कारण तालाब में जलकुंभी तेजी से फैल गई है और इससे जलीव जीव-जंतुओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

स्थिति न केवल वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 35(6) का उल्लंघन है बल्कि पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 का भी उल्लंघन माना जा रहा है पूर्व वन बल प्रमुख वीएन अंबाडे ने रिटायरमेंट के पहले प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव, मुख्य वन्य जीव अभिरक्षक और अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक चीता प्रोजेक्ट से संबद्ध अफसरों को लिखे पत्र में कहा है कि 29 अगस्त 2024 को आयोजित बैठक में भी इस मुद्दे पर चर्चा कर प्रदूषण रोकने के लिए

दिशा-निर्देश दिए गए थे लेकिन अभी तक ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। फिलहाल दो मशीनों के माध्यम से केवल जलकुंभी हटाने का काम किया जा रहा है जिससे समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है।

सारगांव-सक्ती रेल लाइन का सफल हाई-स्पीड ट्रायल: नई लाइन पर अब स्पीड से दौड़ेंगी ट्रेनें



मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। सारगांव देवरी-बाराद्धार-जेठा-सक्ती के बीच 22.2 किलोमीटर लंबी नई विद्युतीकृत चौथी रेल लाइन का निर्माण पूरा हो गया है दक्षिण पूर्व सर्किल के आयुक्त, रेलवे सेफ्टी बीके मिश्रा ने पिछले दो दिनों में इस नई रेल लाइन का निरीक्षण किया इस दौरान सारगांव देवरी स्टेशन के पास ओएमएस कोच से हाई-स्पीड ट्रायल भी सफलतापूर्वक किया गया आयुक्त रेलवे सेफ्टी बीके मिश्रा ने 5 और 6 मार्च को रेल लाइन का विस्तृत निरीक्षण किया 5 मार्च को निरीक्षण की शुरुआत सारगांव देवरी स्टेशन से हुई यहां उन्होंने स्टेशन के केबिन, पैनल

रूम और यार्ड का बारीकी से जायजा लिया और अधिकारियों से तकनीकी जानकारी ली। इसके बाद आयुक्त ने अपनी टीम के साथ सारगांव देवरी-बाराद्धार-जेठा-सक्ती के बीच नई चौथी लाइन का मोटर ट्रेली से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान इंटरलॉकिंग सिस्टम, प्लॉट और क्रॉसिंग, चोवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन यवस्था, पुल-पुलिया, समपार फाटक और सिग्नलिंग उपकरणों सहित सुरक्षा और संचालन से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की गई। बिलासपुर मंडल में नई रेल लाइनों के निर्माण, दोहरीकरण, तृतीय और चतुर्थ रेल लाइन परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है।

महिला सशक्तिकरण में छत्तीसगढ़ का योगदान

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष भावना के साथ महिला सशक्तिकरण की नई पहचान बना जिला एमसीबी

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं बल्कि महिलाओं के अधिकार, सम्मान और उनकी उपलब्धियों को पहचान देने का महत्वपूर्ण अवसर है वर्ष 2026 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की मुख्य वैश्विक अभियान थीम (पाने के लिए देना) रखी गई है इस थीम का मूल संदेश यह है कि जब समाज महिलाओं को शिक्षा, अवसर, संसाधन और सहयोग प्रदान करता है तो इसका

लाभ पूरे समाज और राष्ट्र को मिलता है महिलाओं को सशक्त बनाना वास्तव में एक समृद्ध और संतुलित समाज की आधारशिला है। महिला सशक्तिकरण को लेकर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं राज्य सरकार ने महिलाओं के सम्मान, स्वावलंबन और सामाजिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ष 2026 को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है यह निर्णय केवल प्रतीकात्मक नहीं है बल्कि महिलाओं को



आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक व्यापक पहल है राज्य सरकार की



महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 70 लाख महिलाएं आर्थिक सहायता प्राप्त

कर रही हैं इस योजना ने महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनमें आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की भावना को भी मजबूत किया है। डुगावां की अध्यक्ष श्याम बाई मरकाम, जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ की जानकीबाई खुसरो, नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव तथा नगर पंचायत झगराखांड की अध्यक्ष ललिता यादव जैसी महिला जनप्रतिनिधि अपने नेतृत्व और समर्पण से जिले के

विकास को नई दिशा दे रही हैं। उन्होंने यह सिद्ध किया है कि जब महिलाओं को अवसर मिलता है तो वे समाज और प्रशासन दोनों स्तरों पर प्रभावी नेतृत्व प्रदान कर सकती हैं। समाज में महिलाओं की बढ़ती भूमिका: जिले की महिलाएं केवल प्रशासन और राजनीति तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा और आर्थिक गतिविधियों जैसे अनेक क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं।

वैभवी ने किया टॉप, किसान की बेटी दर्शना बनेगी आइपिएस छत्तीसगढ़ के 7 युवाओं ने मारी बाजी



मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। सिविल सर्विस एग्जाम 2025 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है छत्तीसगढ़ के 7 युवाओं ने इस परीक्षा में बाजी मारी है इनमें रायपुर से वैभवी अग्रवाल, रौनक अग्रवाल और संजय डहरिया शामिल हैं। गुडियारी की रहने वाली वैभवी अग्रवाल ने 35वीं रैंक हासिल की है ये उनका तीसरा प्रयास था। वहीं के जनकपुर की दर्शना सिंह

बचेल को दूसरे प्रयास में 383वीं रैंक मिली है वे आईपीएस बनेंगी वैभवी और दर्शना दोनों इंजीनियरिंग बैकग्राउंड से हैं धमतरी जिले के डीएसपी डायमंड सिंह को 623 रैंक मिली है वे छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस सेवा के 2024 बैच के अधिकारी हैं वहीं, रायगढ़ जिले के संवलपुरी में रहने वाले अजय गुप्ता भी 452 रैंक के साथ चयनित हुए हैं बलरामपुर के विपुल गुप्ता 103वीं रैंक पर है।

2 लाख चुराकर भागते चोर का पीछा किया, छोड़कर भागा: नर्मदापुरम में दिनदहाड़े बाजार क्षेत्र में वारदात



मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में एसएनजी स्टेडियम के पास खड़ी बुलेरो गाड़ी में रखे किसान के 2 लाख रुपए निकालकर एक चोर भाग गया। किसान ने युवक को गाड़ी से रुपए निकालकर जाते देख लिया। तुरंत उन्होंने चोर-चोर करके आवाज लगाई और उसका पीछा किया। बदमाश रुपए सड़क पर फेंककर भाग गया। सूचना पर कोतवाली थाने से पुलिस स्टॉफ मौके पर पहुंचा। बड़ी बालाभेंट निवासी मुकेश कीर ने बताया उनके परिवार में 12 मार्च को शादी है। बुदनी रोड स्थित एक गार्डन बुक करने रुपए जमा करने थे। मीनाक्षी चौक के पास बैंक आफ बड़ोदा से रुपए निकाले। रुपए के बंडल को गमछे में लपेट कर कार की डिक्की में रखे। इसके बाद वे चावल के दाम पता करने एसएनजी स्टेडियम के पास सीएमओ बंगले के सामने एक दुकान पर पहुंचे। तभी एक बदमाश ने उनकी कार का गेट खोलकर रुपए निकाल लिए। इसी बीच गाड़ी की तरफ देख तो एक युवक गाड़ी का गेट बंद कर जाने लगा। मुकेश ने चिल्लाते हुए बदमाश के पीछे दौड़े। उसे जैसे ही 50 फीट की दूरी पर पकड़ा वह रुपए सड़क पर फेंककर भाग गया। उसकी चप्पल वहां छूट गई। लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने आसपास देखा। सीसीटीवी फुटेज खंगाले। लेकिन ऐसे कोई सांदिग्ध नजर नहीं आए। एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने बताया एक गाड़ी से रुपए निकालकर भागने की एक बदमाश ने कोशिश की थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर पड़ताल की घटना की जांच हो रही है। सीसीटीवी फुटेज सामने नहीं आए हैं। मामले में शिकायत नहीं आई है।

बुरहानपुर के दरियापुर में सेंट्रल जीएसटी का सवे: बिल्डिंग मटेरियल शॉप पर देर रात तक चली जांच



मीडिया ऑडिटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले के दरियापुर स्थित लक्ष्मीधाम बिल्डिंग मटेरियल शॉप पर शुक्रवार शाम सेंट्रल जीएसटी का सवे शुरू किया गया। यह कार्रवाई देर रात तक जारी रही। खंडवा से सेंट्रल जीएसटी की एक टीम, जिसमें 10 से अधिक अधिकारी शामिल थे, सवे के लिए पहुंची। टीम ने दुकान के दस्तावेजों की गहन जांच की। कार्रवाई के चलते अधिकारियों ने देर रात तक मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। बुरहानपुर वाणिज्यिक विभाग के सहायक आयुक्त युसुफ खान ने बताया कि खंडवा से आई सेंट्रल जीएसटी की टीम ने दरियापुर स्थित बिल्डिंग मटेरियल शॉप पर सवे शुरू किया है। उन्होंने आगे कहा कि इस संबंध में अधिकृत जानकारी सेंट्रल जीएसटी के अधिकारी ही देंगे। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले बुरहानपुर की टीम ने नेपालगंज में एक बिल्डिंग मटेरियल व्यापारी के यहां भी सवे किया था। हालांकि अधिकारियों ने इसकी जानकारी लंबे समय तक सार्वजनिक नहीं की थी। इससे पूर्व बुरहानपुर में दो अन्य फर्मों पर भी कार्रवाई की गई थी, लेकिन उनमें कितनी कर चोरी पाई गई, यह जानकारी भी सार्वजनिक नहीं की गई। तब इदौर से आए अधिकारियों ने बताया था कि प्रकरण तैयार कर बुरहानपुर वाणिज्यिक कर कार्यालय भेजा जाएगा, लेकिन स्थानीय स्तर पर आज तक कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। वहीं अब दरियापुर में चल रहे इस सवे के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी कि यहां कर अपवंचन मिलता है या नहीं।

युवक का शव पेड़ पर लटका मिला: छतरपुर में भानु अहिरवार के रूप में पहचान



मीडिया ऑडिटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर शहर के बड़ी बगराजन माता मंदिर के सामने शनिवार को एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान राजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम प्रतापपुर विला निवासी भानु अहिरवार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने सुबह पेड़ से लटकते शव को देखा, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। तत्काल पुलिस को घटना की सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि युवक ने मंदिर के सामने लगे पेड़ पर रस्सी का फंदा बनाकर आत्महत्या की। सिटी कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। लेकिन पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि युवक द्वारा यह कदम उठाने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। परिजनों और परिचितों से पूछताछ की जा रही है।

खेत में किसान की चाकू मारकर हत्या

स्पिंकलर नोजल चुराने आए बदमाशों ने किया हमला, बचाने पहुंचे बेटे को भी पीटा

मीडिया ऑडिटर, सागर (निप्र)। सागर में गढ़कोटा थाना क्षेत्र के ग्राम कुमई में खेत में पानी देने गए वृद्ध किसान की हत्या कर दी गई। हत्या के आरोपी खेत में लगी स्पिंकलर नोजल चुराने के लिए आए थे। मौके पर पिता को बचाने पहुंचे बेटे के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की और फरार हो गए। वारदात सामने आते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, श्यामलाल कुर्मी उम्र 70 साल निवासी कुमई शुक्रवार रात अपने खेत पर पानी देने के लिए गए थे। जहां आराम करने के लिए वह लेट गए। इसी दौरान अज्ञात बदमाश खेत पर पहुंचे। आहत आने पर वह जाग गए। उन्होंने चूँच जलाई और आवाज लगाकर पूछा कि कौन है जबाब में कुछ नहीं बोला गया। जिसके बाद बदमाश जाने लगे। इसी दौरान उन्होंने



श्यामलाल को पकड़ लिया। मारपीट करने लगे। तभी पड़ोस के खेत से गुजर रहे युवक ने श्यामलाल के बेटे महेश कुर्मी को मामले की सूचना दी। महेश तत्काल खेत

पहुंचा। जहां देखा कि 5 से 6 बदमाश पिता श्यामलाल को पकड़कर गंगाजोर की ओर लेकर जा रहे थे। उनका पीछा किया। उन्होंने रास्ते में श्यामलाल के साथ मारपीट की और छाती पर चाकू मार दिया। बीचबचाव करने के लिए महेश पहुंचा तो उसके साथ भी मारपीट की। आरोपी मौके से फरार हो गए। तत्काल खेत पर पहुंचा तो देखा कुछ लोग पिताजी को पकड़े हैं और गंगाजोर की ओर ले जा रहे थे। उन्होंने पिताजी से मारपीट शुरू कर दी। मैं बचाने पहुंचा तो उन्होंने मेरे साथ भी मारपीट की।

वारदातस्थल से जुटाए आरोपियों से जुड़े साक्ष्य : वारदात में गंभीर घायल श्यामलाल को गढ़कोटा अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया। शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। वारदातस्थल पर पुलिस ने एफएसएल टीम के साथ पहुंचकर आरोपियों से जुड़े साक्ष्य जुटाए। महेश कुर्मी की शिकायत पर अज्ञात 6 आरोपियों के खिलाफ हत्या का

मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच में लिया है।

मैं पहुंचा तो बदमाश पिता से मारपीट कर रहे थे : मृतक के बेटे महेश कुर्मी ने बताया कि मुझे गांव के लड़के ने फोन लगाकर बताया था कि तुम्हारे खेत पर शोर हो रहा है। मैं तत्काल खेत पर पहुंचा तो देखा कुछ लोग पिताजी को पकड़े हैं और गंगाजोर की ओर ले जा रहे थे। उन्होंने पिताजी से मारपीट शुरू कर दी। मैं बचाने पहुंचा तो उन्होंने मेरे साथ भी मारपीट की।

मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रहे : एसडीओपी प्रकाश मिश्रा ने बताया कि कुमई गांव में 70 वर्षीय किसान की खेत में हत्या की गई है। शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें लगाई गई हैं। वारदात से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

मंदसौर में कार की टक्कर से जूनियर वकील की मौत छह माह की बेटी का पिता था

मीडिया ऑडिटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर शहर के कोर्ट क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में जूनियर एडवोकेट मनीष दास बैरागी पिता चंद्रप्रकाश बैरागी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कोर्ट की घाटी के पास स्थित मछली मार्केट के नजदीक एक अज्ञात कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में उन्हें सिर, मुंह और कमर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और परिजनों की मदद से उन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय मंदसौर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।



बाजार से कोर्ट लौटते समय हादसा: जानकारी के अनुसार मृतक एडवोकेट मनीष बैरागी मूल रूप से मंदसौर जिले के ढबला के निवासी थे। वे कोर्ट से निजी काम से बाजार की ओर गए थे और वापस कोर्ट जा रहे थे, तभी कोर्ट की घाटी के नीचे मछली मार्केट के पास यह हादसा हो गया। दुर्घटना को अंजाम देने

वाली कार का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। उन्हें सिर, मुंह और कमर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और परिजनों की मदद से उन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय मंदसौर ले जाया गया, पुलिस के अनुसार अज्ञात वाहन चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर के आधार पर वाहन की तलाश कर रही है।

6 महीने के बेटे के पिता थे मनीष : एएसआई अभिषेक पाल ने बताया कि जूनियर एडवोकेट

मनीष बैरागी कोर्ट से निजी काम से बाजार की ओर गए थे और वापस कोर्ट जा रहे थे। इसी दौरान कोर्ट की घाटी के पास एक कार से उनका एक्सीडेंट हो गया, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आईं और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। परिजन उन्हें जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल मामले की विवेचना जारी है और टक्कर मारने वाली कार की तलाश की जा रही है। मृतक के परिवार की स्थिति बेहद मार्मिक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार मनीष बैरागी की एक 6 महीने की बेटी है, वहीं उनकी मां का देहांत तब ही हो गया था।

आजमगढ़-बांद्रा टर्मिनस के बीच सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मीडिया ऑडिटर, रतलाम (निप्र)। ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखकर वेस्टर्न रेलवे रतलाम मंडल से होकर आजमगढ़ से बांद्रा टर्मिनस के बीच स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दो-दो फेरे लगाएगी। इस ट्रेन का रतलाम, नागदा में स्टॉपेज रहेगा।

गाड़ी संख्या 05183 आजमगढ़-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल 7 एवं 14 मार्च शनिवार को आमजगढ़ से 23.15 बजे चलेगी। सोमवार को 8.10 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम मंडल के नागदा (21.45/21.50, रविवार) एवं रतलाम (22.45/22.50) बजे आगमन/प्रस्थान होगा। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 05184 बांद्रा

टर्मिनस-आजमगढ़ स्पेशल 9 एवं 16 मार्च सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से 10.45 बजे चकरकर रतलाम (20.45/20.50, सोमवार) एवं नागदा (21.55/22.00) बजे होते हुए मंगलवार को 20.10 बजे आजमगढ़ पहुंचेगी।

यहां रहेगा स्टॉपेज : रतलाम रेल मंडल जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में मुहम्मदाबाद, मऊ, दुल्लहपुर, ओडिहार, वाराणसी, बनारस, ज्ञानपुर रोड, प्रयागराज रामबाग, प्रयागराज, गोविंदपुरी, टूण्डला, इंदगाह आगरा, बयाना, गंगापुर सिटी, कोटा, नागदा, रतलाम, वडोदरा, सूरत एवं बोरीवली स्टेशनों पर स्टॉपेज दिया है।

सीहोर में दिन और रात के तापमान में दोगुना अंतरदिन का तापमान 37°C पहुंचा

मीडिया ऑडिटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में दिन और रात के तापमान में बड़ा अंतर दर्ज किया गया है। बुधवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे दिन में गर्मी का एहसास हो रहा है, वहीं रात में अभी भी हल्की ठंड बरकरार है। जिले में दिन और रात के तापमान में दोगुने से भी अधिक का अंतर देखने को मिल रहा है। यह लगातार दूसरा दिन है जब अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस था। उल्लेखनीय है कि ठंड के मौसम के बाद यह लगातार दूसरी बार है जब अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचा है। इससे पहले अधिकतम तापमान लगातार 20 से 29



डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ था। होली के बाद से अचानक गर्मी की शुरुआत हो गई है। जानकारी के अनुसार, पिछले सवा दो महीनों में जिले में मौसम के चार अलग-अलग रंग देखने को मिले हैं। जनवरी में कड़ुके की ठंड थी, जबकि फरवरी में ठंड, गर्मी और बारिश तीनों मौसम का अनुभव हुआ। अब मार्च महीने में अधिकतम

तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे लोगों को गर्मी की दस्तक महसूस होने लगी है। शासकीय कृषि कॉलेज स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. तोमर ने बताया कि अब धीरे-धीरे अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज होगी। इस समय कोई भी परिचयी विक्षोभ या केंद्रीय चक्रवाती सिस्टम सक्रिय नहीं है।

हरदा में करंट लगने से 45 वर्षीय मजदूर की मौत खेत में पानी की मोटर लगाते समय हुआ हादसा

मीडिया ऑडिटर, हरदा (निप्र)। हरदा सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम सुखरास में शनिवार सुबह करीब ग्यारह बजे करंट लगने से एक 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक का शव जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ग्राम सुखरास निवासी मुकेश पिता केवलराम खोदरे (45) किसान सुनील पुनासे के खेत पर मजदूरी करता था। शनिवार सुबह करीब 11 बजे वह खेत के पास बहने वाले नाले में मूंग की फसल के लिए पानी की मोटर लगा रहा था। इसी दौरान उसे हाथों की उंगलियों और पैरों में करंट लग गया।

करंट का झटका लगने से मुकेश पानी में गिर गया। घटना के समय उसका छोटा भाई गोल्डू भी वहां मौजूद था, जो बोल पाने में



असमर्थ है। गोल्डू दौड़कर गांव गया और ग्रामीणों को बुलाकर लाया। जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचे, मुकेश की मौत हो चुकी थी।

उसे तत्काल एक निजी वाहन से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के बेटे अमन ने बताया कि वह दो भाई हैं, जिसमें छोटा भाई 14 साल का है। पुलिस ने परिजनों और खेत मालिक के बयान दर्ज किए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

सिवनी में नदी से मिला 60 वर्षीय बुजुर्ग का शव

ग्रामीणों ने दी पुलिस को सूचना, एक दिन पहले से था लापता

मीडिया ऑडिटर, सिवनी (निप्र)। सिवनी जिले के घंसीर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुड़वारी के समीप नदी में 60 बुजुर्ग का शव मिला है। यह घटना शनिवार सुबह लगभग 11 बजे सामने आई। सूचना मिलने के बाद घंसीर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर जांच शुरू कर दी है। बुजुर्ग एक दिन पहले शाम से घर से लापता था। जानकारी के अनुसार, ग्राम कुड़वारी के पास नदी किनारे से गुजर रहे कुछ ग्रामीणों ने नदी में एक शव देखा। पहले उन्हें कुछ समझ नहीं आया, लेकिन करीब जाकर देखने पर पता चला कि वह एक व्यक्ति का शव है। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना घंसीर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही घंसीर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने जांच के बाद घंसीर थाना पुलिस को घटना की सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि युवक ने मंदिर के सामने लगे पेड़ पर रस्सी का फंदा बनाकर आत्महत्या की। सिटी कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। लेकिन पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि युवक द्वारा यह कदम उठाने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। परिजनों और परिचितों से पूछताछ की जा रही है।



प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान हरि सिंह (60 वर्ष) के रूप में हुई है। हालांकि, वृद्ध की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामले के हर पहलू की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह कोई दुर्घटना है, आत्महत्या है या स्वास्थ्य केंद्र घंसीर भेज दिया। पुलिस की

जानकारी मिलने के बाद आसपास के ग्रामीण भी बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा : इस संबंध में घंसीर थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह झारिया ने बताया कि उन्हें नदी में एक वृद्ध का शव मिलने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकलवाया है और मर्ग कायम कर लिया

गया है।

उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा। परिजनों ने बताया है कि बुजुर्ग एक दिन पहले शाम से घर से लापता था। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि घटना से जुड़े सभी तथ्य सामने आ सकें। लेकिन करीब जाकर देखने पर पता चला कि वह एक व्यक्ति

का शव है। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना घंसीर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही घंसीर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

ग्रामीणों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने मौके पर पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसीर भेज दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान हरि सिंह (60 वर्ष) के रूप में हुई है।

युवती को अगवा कर कॉलेज परिसर में गैंगरेप

मीडिया ऑडिटर, ग्वालियर (निप्र)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक 20 वर्षीय युवती से सामूहिक दुर्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना 19 फरवरी की है, जिसका खुलासा पीड़िता की तबीयत बिगड़ने के बाद हुआ। डबरा देहात थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस फिलहाल आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार, डबरा देहात क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती 10 फरवरी को अपनी बुआ के घर गई थी। 19 फरवरी की रात करीब 8 बजे जब वह पास ही में टिककी खाने गई, तभी टटमट (ई-रिक्शा) सवार दो युवकों ने उसका मुंह दबाकर उसे जबरन बौटा लिया। रास्ते में उन्होंने अपने एक और साथी को साथ लिया और युवती को 'अह तिराहा' स्थित एक कॉलेज परिसर में ले गए। वहां तीनों ने बारी-बारी से युवती के साथ दुर्कर्म किया।

फॉर्म में बल्लेबाज, गेंदबाजी चिंता का विषय

जानिए फाइनल के लिए कितनी तैयार टीम इंडिया?

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम इतिहास रचने से सिर्फ एक कदम दूर खड़ी है। टी20 विश्व कप के खिताबी मुकाबले में भारत की भिड़त न्यूजीलैंड से 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में होनी है।

भारतीय बल्लेबाज टूर्नामेंट में अच्छी लय में दिखाई दिए हैं, लेकिन गेंदबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए फाइनल से पहले चिंता का सबब बन गया है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन दमदार रहा है। अभिषेक शर्मा की खराब फॉर्म के बावजूद भारतीय टीम अहम मुकाबलों में बड़ा टोटल खड़ा करने में सफल रही है। संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करते हुए अपनी काबिलियत को साबित करके दिखाया है। संजू इस टूर्नामेंट में खेले 4 मुकाबलों में 201 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 232 रन बना चुके हैं। ईशान किशन भी अच्छी लय में दिखाई दिए हैं और उन्होंने 8 मुकाबलों में 189 के स्ट्राइक रेट से 263 रन बनाए हैं। हालांकि, अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन लगातार निराशाजनक रहा है। 7 पारियों में अभिषेक सिर्फ 89 रन ही बना सके हैं, जिसमें से 55 रनों की पारी उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ ही खेली थी। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 8 मैच में 242 रन जरूर बनाए हैं, लेकिन अहम मौके पर वह टीम को मद्दगार में छोड़कर पवेलियन लौटे हैं। सूर्या का स्ट्राइक रेट भी सबलों के घेरे में रहा है। तिलक वर्मा के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने का फैसला भारतीय टीम के हित में गया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ 15 गेंदों में 27 रन बनाने के बाद सेमीफाइनल में भी बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 7 गेंदों में 21 रन बनाए। तिलक बतौर फिनिशर टीम इंडिया के लिए तुरफ का इस्का साबित हो रहे हैं। हार्दिक पांड्या ने बल्ले और गेंद दोनों से अपने काम को बखूबी अंजाम दिया है। बल्लेबाजी में हार्दिक ने 8 मुकाबलों में 163 के स्ट्राइक रेट से 199 रन



बनाए हैं, जबकि गेंदबाजी में भी वह 8 विकेट निकाल चुके हैं। हालांकि, अक्षर पटेल उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने हर बड़े मुकाबले में अपनी उपयोगिता साबित की है।

7 मुकाबलों में 10 विकेट चटकाने के साथ-साथ बुमराह ने सिर्फ 6.62 की इकोनॉमी से रन खर्च किए हैं। अर्शदीप सिंह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके हैं। 7 मुकाबलों में अर्शदीप ने महज 9 विकेट निकाले हैं और उनका इकोनॉमी भी 8.53 का रहा है। अर्शदीप के लिए इस टूर्नामेंट में सबसे बड़ी दिक्कत यह रही है कि वह अच्छी टीमों के खिलाफ काफी महंगे साबित हुए हैं। सेमीफाइनल

में इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने 4 ओवर में 51 रन खर्च किए थे। मोहम्मद सिराज के बेंच पर बैठे होने के बावजूद अर्शदीप को मौके पर मौके मिल रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के आगाज से पहले वरुण चक्रवर्ती को टीम इंडिया का सबसे बड़ा मैच विनर बताया जा रहा था। हालांकि, वरुण ने भारतीय फैंस को अपने प्रदर्शन से खामसा निराश किया है। वरुण बड़े मुकाबले और अच्छी टीमों के खिलाफ बुरी तरह से संघर्ष करते हुए नजर आए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में वरुण ने 4 ओवर में 64 रन दिए, जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ मिस्ट्री स्पिनर ने 40 रन खर्च करते हुए सिर्फ एक विकेट चटकाया था। वरुण के

निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम का उन पर अटूट भरोसा कायम नजर आया है। इंग्लैंड के खिलाफ वरुण के महंगे स्पेल की वजह से एक समय पर मुकाबला भारत के हाथ से फिसलता हुआ भी नजर आ रहा था। कुलदीप यादव जैसे अनुभवी गेंदबाज के होने पर भी वरुण को लगातार मौके देने का फैसला समझ से परे नजर आया है। यानी कुल मिलाकर अगर भारत को टी20 वर्ल्ड कप के खिताब को लगातार दूसरी बार जीतकर इतिहास रचना है, तो फाइनल में कुछ कठिन फैसले लेने होंगे। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताबी मुकाबला 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है।

इंग्लैंड के हेड कोच की भूमिका पसंद, जारी रखना चाहता हूँ: ब्रेंडन मैकुलम

मुंबई, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गई है। इंग्लैंड को गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ हुए सेमीफाइनल मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड टीम के विश्व कप से बाहर होने से हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम निराश हैं, लेकिन वह इंग्लैंड की कप्तानी आगे भी जारी रखना चाहते हैं। मैच के बाद ब्रेंडन मैकुलम ने कहा, 'उन्हें इंग्लैंड टीम के हेड कोच की भूमिका बेहद पसंद है और वह इसे जारी रखना चाहते हैं। यह काम चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में टीम ने कई अच्छी उपलब्धियां भी हासिल की हैं। अभी भी इंग्लैंड टीम के पास सभी फॉर्मेट में काफी कुछ हासिल करने का मौका है। आने वाले समय में टीम को यह समझना होगा कि क्या चीजें सही काम कर रही हैं और किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है, ताकि भविष्य में बेहतर प्रदर्शन किया जा सके।' ब्रेंडन मैकुलम इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बड़े टूर्नामेंटों में टीम के लगातार खराब प्रदर्शन की वजह से दबाव में हैं। ऑस्ट्रेलिया में खेले गए एशेज में इंग्लैंड को 1-4 से करारी हार का सामना करना पड़ा था। टी20 विश्व कप 2026 में भी टीम को सेमीफाइनल से बाहर होना पड़ा है। इस हार के बाद से मैकुलम की रणनीतियों और कोचिंग शैली पर सवाल और तेज हो गए हैं। मैकुलम जब इंग्लैंड के टेस्ट कोच बने थे तो उनसे काफी उम्मीदें थीं। उन्होंने टीम में आक्रामक 'बैजबॉल' अग्रिम लागू की, जिसने शुरुआत में क्रिकेट जगत् का ध्यान खींचा। इस शैली में इंग्लैंड के बल्लेबाज तेजी से रन बनाने और विपक्षी टीम पर लगातार दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। शुरुआती दौर में इस रणनीति को काफी सराहा गया, लेकिन समय के साथ इंग्लैंड को मजबूत टीमों के खिलाफ लगातार खराब नतीजे मिले। मैकुलम के नेतृत्व में इंग्लैंड अभी तक कोई बड़ा आईसीसी खिताब नहीं जीत सकी है। एशेज सीरीज के बाद टी20 विश्व कप से इंग्लैंड के बाहर होने के बाद ब्रेंडन मैकुलम की कोचिंग को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

स्पोर्ट्स कार्निवल 2026

क्रिकेट, बैडमिंटन और टीटी मुकाबलों में दिखा उत्साह

द्वजपुर, एजेंसी। शहर में जयपुर रीजनल चेंप्टर के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय स्पोर्ट्स कार्निवल 2026 का आगाज शुक्रवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में जोश और उत्साह के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन एडवाइजर धीरज झामरिया; चेयरमैन, श्रितिज मनु; इमीडिएट पास्ट चेयरमैन, आशीष काला; चेयरमैन इलेक्ट, मनोप ठाकुर व टीम ओनर्स, तुलसी राम मोदी; शिव अग्रवाल, अंशुल मोदी और रिदम सुदानिया द्वारा किया गया। उद्घाटन में सेक्रटरी, शिखा सिंह; अमित गोस्वामी, सुनील जैन और विवेक गुप्ता भी उपस्थित थे। पहले दिन, क्रिकेट, बैडमिंटन, टेनिस और टेबल टेनिस के मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। क्रिकेट के खेले गए तीन मैचों में तालुका फाइनल ने मंगल टाइम्स को, प्रिमार्क सुपर किंग ने तालुका फाइनल को, जबकि एल्फेन रॉयल्स ने वर्सेटाइल वाइकिंग्स को मात देकर मुकाबले अपने नाम किए। तीनों मैचों में खिलाड़ियों की बेहतरीन बल्लेबाजी और गेंदबाजी देखने को मिली। बैडमिंटन में वर्सेटाइल वाइकिंग्स ने लैंटन लीजेंड्स को, जबकि प्राइमरी सुपरकिंग्स ने मंगल टाइम्स को हराया। वहीं लैंटन लीजेंड्स और एल्फेन रॉयल्स का



मुकाबला बराबरी पर रहा। टेनिस प्रतियोगिता में सिंगल्स वर्ग में अंशुमान शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में युगांश देवरथ को 6-2 से हराकर खिताब जीता। इससे पहले अंशुमान शर्मा ने शालीन को 6-2 से हराया, जबकि युगांश देवरथ ने अभिषेक चतुर्वेदी को 6-0 और केसरी नंदन शर्मा को 6-2 से मात

दी थी। सिंगल्स में युगांश वर्ग में देवरथ उपविजेता रहे। डबल्स वर्ग में रितेश शर्मा और हर्षित अग्रवाल की जोड़ी ने फाइनल में अंशुमान शर्मा और गौरव माथुर को 6-4 से हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। वहीं अंशुमान शर्मा और गौरव माथुर की जोड़ी रनर-अप रही। टेबल टेनिस टीम मुकाबलों में पूल-ए

में तालुका टाइम्स ने अपने दोनों मुकाबले मंगल टाइम्स और प्रिमार्क सुपर किंग से 7-6 से जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। जबकि मंगल टाइम्स दूसरे स्थान पर रहा। पूल-बी में लैंटन लीजेंड्स ने वर्सेटाइल वाइकिंग्स को 9-4 से और अल्फेन रॉयल्स को 7-6 से हराकर पूल-बी में पहला स्थान प्राप्त किया।

वरुण बनाम कुलदीप, फाइनल की प्लेइंग 11 के लिए कौन बड़ा दावेदार; न्यूजीलैंड के खिलाफ दोनों का प्रदर्शन साधारण



नई दिल्ली, एजेंसी। वरुण चक्रवर्ती की गेंदबाजी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में काफी साधारण रही है। ऐसा लग रहा है जैसे विपक्षी टीमों ने उनकी कमजोरी भाप ली है और उनकी गेंदों पर जमकर रन बन रहे हैं। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने भारतीय गेंदबाजों में सबसे ज्यादा रन दिए। वरुण ने 4 ओवर के स्पेल में 64 रन देकर एक सफलता हासिल की और जोस बटलर को आउट किया। इससे पहले भी वेस्टइंडीज के खिलाफ वरुण पिटे थे।

कुलदीप या वरुण, किसे मिलेगा मौका

अब वरुण की लगातार पिटाई के बाद क्रिकेट पंडितों का मानना है कि अहमदाबाद में होने वाले फाइनल मुकाबले के लिए भारतीय प्लेइंग इलेवन में रिस्ट स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल किया जाए जो फिलहाल बेंच पर बैठे हैं। इस टी20 वर्ल्ड कप में कुलदीप यादव को सिर्फ एक ही मैच में यानी पाकिस्तान के खिलाफ कोलंबो में मौका दिया गया था और उस मैच में उन्होंने 3 ओवर में 14 रन देकर एक विकेट लिया था और ये प्रदर्शन खराब नहीं था। उसके बाद भारत वरुण के साथ आगे बढ़ता गया और वो पिटे गए। कुलदीप को आजमाना बुरा विकल्प नहीं- अब सवाल ये है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले के लिए कुलदीप या वरुण में से किसे मौका दिया जाए। वैसे वरुण का जिस तरह का फॉर्म है उसके बाद ये भी सही है कि कुलदीप यादव को आजमाने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन क्या भारतीय टीम मैनेजमेंट अपनी विनिंग कांफिडेंस में बदलाव करेंगे। अहमदाबाद में कौन ज्यादा फायदेमंद टीम के लिए साबित होगा ये भी अहम होगा साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ दोनों का प्रदर्शन भी मायने रखता है।

ब्रेंडन मैकुलम से प्रेरणा लेती है टीम, कोच के रूप में उन्हें मेरा समर्थन: ब्रूक

मुंबई, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गई है। गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को भारत से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड की हार के बाद सबसे ज्यादा आलोचना का शिकार टीम के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम हैं। बतौर कोच मैकुलम के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। आलोचना के बीच ब्रेंडन मैकुलम को इंग्लैंड टीम के कप्तान हैरी ब्रूक का समर्थन मिला है। ब्रूक मैकुलम को इंग्लैंड का हेड कोच बनाए रखने के पक्ष में हैं। भारत के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के बाद हुए प्रेस कांफ्रेंस में हैरी ब्रूक ने कहा कि अगर ईंग्लीश ब्रेंडन मैकुलम को हेड कोच बनाए रखने के बारे में उनकी राय पूछेगी तो वह निश्चित रूप से उनके पक्ष में अपनी राय रखेंगे। ब्रूक ने कहा, 'जिस तरह से वह सबसे बात करते हैं, जिस तरह से ड्रेसिंग रूम में उनका एक और है, हर कोई उनसे प्रेरणा लेता है। पिछले चार सालों में उन्होंने जो कुछ किया है, उसने इंग्लिश क्रिकेट को उम्मीद दी है और बहुत कुछ अच्छा हुआ है।' कप्तान का समर्थन कोच के रूप में ब्रेंडन मैकुलम के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। देखा होगा ईंग्लीश मैकुलम पर क्या फैसला लेती है। टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के सफर की शुरुआत निराशाजनक रही थी। ग्रुप स्टेज के पहले मैच में नेपाल के खिलाफ करीबी जीत के बाद टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड ने बिना कोई मैच गंवाए सुपर-8 में जगह बनाई। सुपर-8 में इंग्लैंड ने पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। सेमीफाइनल में भी इंग्लैंड हार जरूर गई, लेकिन लड़कर हारी। 254 रन का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने 246 रन बना लिए थे। इसीलिए टी20 विश्व कप में इंग्लैंड का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से अच्छा रहा है।

'फेक बाबा', भारत के फाइनल में पहुंचने के बाद नवजोत सिंह सिद्धू ने मोहम्मद आमिर की आलोचना की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम के फाइनल में पहुंचने के बाद पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर की आलोचना की। नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, 'कुछ लोगों को बेनुनियाद भविष्यवाणी करने की आदत होती है। अगर उनकी बात सही हो जाए तो वे इसे बड़ी उपलब्धि बताते हैं, लेकिन गलत होने पर उसे महज अंदाजा कहकर नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे लोग खुद को किसी समझदार बाबा की तरह पेश करते हैं, जबकि उनकी बातें अक्सर हकीकत से दूर होती हैं।' सिद्धू ने यह भी याद दिलाया कि आमिर ने पहले कहा था कि भारत सेमीफाइनल के लिए भी क्वालीफाई नहीं कर पाएगा। आमिर ने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका को आगे बढ़ने की भविष्यवाणी की थी, लेकिन भारत आगे आई, और दोनों टीमों टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

आमिर ने सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड की जीत का दावा किया था, लेकिन वह भी गलत साबित हुआ। नवजोत सिंह सिद्धू ने मोहम्मद आमिर को 'फेक बाबा' कहा। दरअसल, सेमीफाइनल मुकाबले से पहले आमिर ने भविष्यवाणी की थी कि भारत टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा और फाइनल में दक्षिण अफ्रीका तथा वेस्ट इंडीज के पहुंचने की संभावना जताई थी। हालांकि, टूर्नामेंट के नतीजे उनकी भविष्यवाणी के बिल्कुल उलट रहे। दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हार गया, जबकि भारत ने इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बना ली। इसी वजह से नवजोत सिंह

सिद्धू ने मोहम्मद आमिर की आलोचना की। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की जीत के बाद आमिर ने कहा कि पूरे टूर्नामेंट के बाद भारत ने इस मैच में बेहतरीन क्रिकेट खेला और उसे इसका श्रेय मिलना चाहिए। दोनों टीमों के बीच असली अंतर भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तेज गेंदबाजी रही। आमिर ने माना कि अगर सैमसन का कैच पकड़ लिया जाता, तो मैच का नतीजा अलग भी हो सकता था।



पिंक बॉल टेस्ट के पहले दिन गिरे 13 विकेट

भारत के खिलाफ मजबूत स्थिति में ऑस्ट्रेलिया



पर्थ, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया के बीच एकमात्र टेस्ट मैच बाका के मैदान पर खेला जा रहा है। शुक्रवार को पिंक बॉल टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 3 विकेट खोकर 96 रन बना लिए हैं। इससे पहले भारत की पूरी टीम 198 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम इंडिया की ओर से जेमिमा रोड्रिग्स ने सर्वाधिक 52 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत पहली पारी में अच्छी नहीं रही। जॉर्जिया वॉल सिर्फ 2 रन बनाकर आउट

हुई। वहीं, फोबे लचफील्ड भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और वह 9 रन बनाकर आउट हुईं। कप्तान एलिसा हीली भी 35 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, 13 रन बनाकर सयाली सतधरे का शिकार बनीं। हालांकि, एलिसा पेरी बेहतरीन लय में दिखाई दीं और उन्होंने 7 चौके लगाए। दिन का खेल खत्म होने तक पेरी 62 गेंदों का सामना करने के बाद 43 रन बनाकर क्रॉज पर डटी हुई हैं। वहीं, एनाबेल सदरलैंड 20 रन बनाकर पेरी का साथ निभा रही हैं। भारत की ओर से गेंदबाजी में सयाली सतधरे ने 2 सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुईं। काश्वी गौतम ने 54 गेंदों का सामना करते हुए 3 चौकों की मदद से नाबाद 34 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी में एनाबेल सदरलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 46 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, लूसी हैमिल्टन ने 31 रन देकर 3 विकेट निकाले। डार्ली ब्राउन ने 41 रन खर्च करते हुए 2 विकेट अपने नाम किए।

प्रीतीका रावल भी 18 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। शेफाली वर्मा ने कुछ दमदार शॉट्स लगाए, लेकिन वह अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सकीं और 27 गेंदों का सामना करने के बाद 13 रन बनाकर सयाली सतधरे का शिकार बनीं। हालांकि, एलिसा पेरी बेहतरीन लय में दिखाई दीं और उन्होंने 7 चौके लगाए। दिन का खेल खत्म होने तक पेरी 62 गेंदों का सामना करने के बाद 43 रन बनाकर क्रॉज पर डटी हुई हैं। वहीं, एनाबेल सदरलैंड 20 रन बनाकर पेरी का साथ निभा रही हैं। भारत की ओर से गेंदबाजी में सयाली सतधरे ने 2 सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुईं। काश्वी गौतम ने 54 गेंदों का सामना करते हुए 3 चौकों की मदद से नाबाद 34 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी में एनाबेल सदरलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 46 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, लूसी हैमिल्टन ने 31 रन देकर 3 विकेट निकाले। डार्ली ब्राउन ने 41 रन खर्च करते हुए 2 विकेट अपने नाम किए।

एचपीवी टीकाकरण को गति देने जिला अस्पताल पहुँचे कलेक्टर, टीकाकरण केंद्र का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। जिले में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान को गति देने के लिए कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस रूनिवार को जिला अस्पताल पहुँचे। इस दौरान उन्होंने जिला अस्पताल सहित अन्य टीकाकरण केंद्रों का निरीक्षण कर अभियान की प्रगति की जानकारी ली और स्वास्थ्य अधिकारियों को अभियान को तेज गति से संचालित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने टीकाकरण केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और वहाँ मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों से टीकाकरण की संख्या, उपलब्ध संसाधनों और अभियान के क्रियान्वयन से जुड़ी



जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और अधिक से अधिक पात्र किशोरियों को टीकाकरण का लाभ दिलाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने बताया कि जिले में 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को एचपीवी

टीका लगाया जा रहा है। यह टीका उन्हें भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह टीकाकरण अभियान किशोरियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इसके माध्यम से गंभीर बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी बेटियों



को इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए टीकाकरण अवश्य कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि कई बार जागरूकता की कमी या भ्रांतियों के कारण लोग टीकाकरण से बचते हैं, लेकिन यह टीका पूरी तरह सुरक्षित और प्रभावी है। इसलिए समाज के सभी लोगों को इस अभियान में सहयोग करना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के

छह स्वास्थ्य केंद्रों में एचपीवी टीका लगाया जा रहा है। प्रत्येक टीके की कीमत लगभग चार हजार रुपये है, लेकिन सरकार द्वारा इसे पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक किशोरियों को इस गंभीर बीमारी से बचाव प्रदान करना है। स्वास्थ्य विभाग ने टीकाकरण के लिए विशेष व्यवस्था की है और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी इस

अभियान में लगे हुए हैं। साथ ही स्कूलों और समुदाय स्तर पर भी जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक किशोरियाँ टीकाकरण से जुड़ सकें। कलेक्टर ने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि टीकाकरण केंद्रों पर आवश्यक दवाओं, उपकरणों और स्टाफ की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही यह भी ध्यान रखा जाए कि टीकाकरण के लिए आने वाली किशोरियों की सुरक्षा के प्रति विशेष ध्यान देकर काम किया जाए।

हार्डवेयर पेंट्स एसोसिएशन का होली मिलन एवं सम्मान समारोह समाजसेवियों का होगा सम्मान

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। विन्ध्य क्षेत्र की अग्रणी व्यापारिक संस्था हार्डवेयर पेंट्स एसोसिएशन द्वारा होली मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन रविवार 8 मार्च को दोपहर 1 बजे से सिमरिया चौक स्थित सचिन पैलेस में किया जाएगा। इस आयोजन में क्षेत्र के व्यापारी, समाजसेवी और संस्था के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल होंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापारियों के बीच आपसी भाईचारा, सौहार्द और सामाजिक एकजुटता को मजबूत करना है। एसोसिएशन के महामंत्री विनोद गेलानी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (केट) के जिलाध्यक्ष मनोहर वाधवानी होंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष घनश्यामदास अच्युत करेंगे। इस अवसर पर व्यापारियों और अतिथियों के साथ पारंपरिक तरीके से फूलों की होली खेली जाएगी और होली के पर्व की खुशियों को साझा किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवा के

क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले दो प्रमुख समाजसेवियों को सम्मानित भी किया जाएगा। अमर ज्योति के संयोजक एवं समाजसेवी मनोहर डिगवानी तथा पंजाबी महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मोना चोपड़ा को 'सेवा का सम्मान' प्रदान किया जाएगा। संस्था के पदाधिकारियों के अनुसार यह सम्मान उन व्यक्तियों को सम्पत्ति है जो समाज में निरंतर सेवा और जनकल्याण के कार्यों के माध्यम से सकारात्मक योगदान दे रहे हैं। महामंत्री विनोद गेलानी ने बताया कि होली मिलन समारोह संस्था का एक महत्वपूर्ण वार्षिक आयोजन है, जिसमें व्यापारी एक मंच पर एकत्र होकर न केवल त्योहार की खुशियाँ साझा करते हैं, बल्कि सामाजिक सरोकारों और व्यापार से जुड़े मुद्दों पर भी विचार-विमर्श करते हैं। ऐसे आयोजनों से व्यापारिक समुदाय में आपसी सहयोग और एकता की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एसोसिएशन के संरक्षक एवं वरिष्ठ सदस्य सक्रिय रूप से तैयारियों में जुटे हुए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर रैली और सम्मान समारोह

मीडिया ऑडिटर, मैहर (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मैहर में 8 मार्च को प्रातः 10 बजे विश्राम गृह मैहर से महिला जागरूकता रैली निकाली जाएगी। यह रैली एसबीआई चौराहा, चंडाघर, अलाउद्दीन तिराहा और जेल तिराहा होते हुए रीवा रोड स्थित सरना पैलेस तक पहुँचेगी। मुख्य समारोह दोपहर 12 बजे से सरना पैलेस मैहर में दो सत्रों में आयोजित होगा। प्रथम सत्र में कलेक्टर मैहर रानी बाटड, एडिशनल एसपी चंचल नारार, एडसीएम मैहर दिव्या पटेल तथा न्यायाधीशगण उपस्थित रहेंगे। इस दौरान महिला कल्याण एवं सशक्तिकरण से संबंधित शासकीय योजनाओं और कानूनों पर व्याख्यान दिए जाएंगे। साथ ही महिला स्व-सहायता समूह, महिला सरपंच और सशक्त वाहिनी की प्रतिनिधियों द्वारा अपने अनुभव साझा किए जाएंगे।

शतक' ने बच्चों को किया रोमांचित, संघ के योगदान से हुए परिचित



मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों को राष्ट्रभक्ति, त्याग और समर्पण की यात्रा पर आधारित फिल्म 'शतक' को देखकर सतना जिले के बच्चे रोमांचित हैं। फिल्म ने उन्हें न केवल भारत की आजादी की लड़ाई के महान सेनानियों से परिचित कराया, बल्कि संघ द्वारा समाज और देशहित में किए जा रहे योगदानों के बारे में भी बताया। मधुरिमा सेवा संस्कार संस्थान द्वारा आयोजित इस विशेष शो में सतना के लगभग 300 बच्चों ने फिल्म का आनंद लिया। फिल्म में संघ के 100 साल के इतिहास, त्याग और समाज के प्रति समर्पण को दर्शाया गया। फिल्म के बाद बच्चों में गजब का उत्साह था, और वे खुले तौर पर यह कह रहे थे कि 'यह फिल्म हमें उन



सेनानियों से परिचित कराती है, जिन्होंने देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान दिया। साथ ही, संघ द्वारा समाज को एकजुट करने और विषम परिस्थितियों में लोगों की मदद करने के कार्यों को भी उजागर किया गया है। 'संस्थान की संस्थापिका डॉ. स्वप्ना वर्मा ने कहा, 'बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं और उन्हें देशहित में काम करने वालों के बारे में जानने का पूरा अधिकार है। 'शतक' फिल्म जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाली है और इसे हर किसी को देखना चाहिए। यह फिल्म

राष्ट्र प्रेम और राष्ट्र निर्माण के लिए स्वतंत्रता वीर सावरकर, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, सरदार वल्लभ भाई पटेल और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्व को पढ़ें पर जीवंत किया गया है। फिल्म में अभिनेता अजय देवगन की आवाज है, और निर्माता वीर कपूर हैं। इस फिल्म को देखकर बच्चों में देशभक्ति और समाजसेवा के प्रति एक नई भावना पैदा हुई है, और इसने उन्हें अपने देश के नायक और उनके योगदान को समझने का एक अनमोल अवसर प्रदान किया है।

किया गया है। इसके जरिए स्वातंत्र्य वीर सावरकर, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, सरदार वल्लभ भाई पटेल और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्व को पढ़ें पर जीवंत किया गया है। फिल्म में अभिनेता अजय देवगन की आवाज है, और निर्माता वीर कपूर हैं। इस फिल्म को देखकर बच्चों में देशभक्ति और समाजसेवा के प्रति एक नई भावना पैदा हुई है, और इसने उन्हें अपने देश के नायक और उनके योगदान को समझने का एक अनमोल अवसर प्रदान किया है।

बदेरा थाना बना विवादों का अड्डा, पैर तोड़ कांड पर आक्रोश, पुलिस जांच पर टिकी सबकी नजर

मीडिया ऑडिटर, मैहर (निप्र)। बदेरा थाना का मामला इन दिनों पूरे इलाके में सुर्खियों का केंद्र बना हुआ है। सोशल मीडिया से लेकर गांव कस्बों की चौपाल तक हर जगह इसी मामले की चर्चा हो रही है। पैर तोड़ कांड के आरोप सामने आने के बाद लोगों का गुस्सा भी खुलकर सामने आ रहा है और अब आमजन खुलकर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मामले में पीड़ित पक्ष की ओर से आवेदन मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक मैहर ने जांच के आदेश दे दिए हैं और यह जिम्मेदारी मैहर सीएसपी को सौंपी गई है जिन्हें निष्पक्ष जांच के लिए जाना जाता है। हालांकि अब पूरे जिले की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच के बाद पुलिस अधीक्षक मैहर क्या बड़ा फैसला लेते हैं। इधर सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जिन पुलिस कर्मियों पर इतने गंभीर आरोप लगे हैं, उन्हें अब तक प्रारंभिक तौर पर लाइन हाजिर क्यों नहीं किया गया। लोगों का



कहना है कि गंभीर आरोपों के बावजूद कार्रवाई का इंतजार होना पूरे मामले को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है। लोगों की मानें तो जिन पुलिस कर्मियों पर मुकेश साकेत का पैर तोड़ने का आरोप लगा है वे अब अपने करीबियों के जरिए डैमेज कंट्रोल में जुट गए हैं। बताया जा रहा है कि व्हाट्सएप के माध्यम से कई वीडियो वायरल करवाए जा रहे हैं जिनमें पीड़ितों को ही खलनायक दिखाने की कोशिश की जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह पूरा खेल सच्चाई को दबाने और जनमत को भटकाने के लिए खेला जा रहा है। मामले को और गंभीर तब माना जा रहा है जब यह बात सामने आई कि पुलिस मुख्यालय के आदेशों के विपरीत बदेरा थाने में एक आरक्षक करीब 5 वर्षों से लगातार पदस्थ है। बताया जाता है कि इस संबंध में कई बार वरिष्ठ अधिकारियों तक शिकायतें भी पहुँचीं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब जब पैर तोड़ कांड जैसा गंभीर आरोप सामने आया है तो पुराने विवादित कारनामों की भी चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय लोगों और पीड़ित पक्ष का कहना है कि अगर जांच सच में निष्पक्ष करनी है तो कई महत्वपूर्ण बिंदुओं की गहराई से जांच जरूरी है। जिनमें आरोपित पुलिस कर्मियों के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल्स, बदेरा थाने के सीसीटीवी फुटेज और वह वीडियो भी शामिल हैं जिनमें पीड़ितों को अल्ट्राटेक ले जाकर खाना खिलाने की बात कही जा रही है। साथ ही वहाँ के सीसीटीवी फुटेज प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और पूरे घटनाक्रम से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जानी चाहिए।

इंस्टाग्राम पर 'वर्क फ्रॉम होम' के नाम पर ठगी कम निवेश पर कमीशन का झांसा देकर युवक से 8 लाख उगे

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के एक युवक को इंस्टाग्राम पर 'वर्क फ्रॉम होम' के नाम पर साइबर अपराधियों ने 8 लाख रुपए का चूना लगा दिया। अपराधियों ने पहले कम निवेश पर कमीशन देकर युवक का भरोसा जीता और फिर बड़ी रकम निवेश कराने के बाद पूरा पैसा हड़प लिया। पीड़ित युवक ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इंस्टाग्राम पर दिखा कमाई का विज्ञापन सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के धवारी निवासी शिवम त्रिपाठी ने साइबर सेल को बताया कि 3 मार्च को वह इंस्टाग्राम पर रील देख रहे थे। इसी दौरान उन्हें घर



बैठे पैसे कमाने का एक विज्ञापन दिखाई दिया। विज्ञापन में 'वर्क फ्रॉम होम' के जरिए आसानी से कमाई का दावा किया जा रहा था। विज्ञापन पर भरोसा कर शिवम ने उस लिंक पर क्लिक कर दिया। वेबसाइट पर लॉगिन के बाद व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा लिंक पर क्लिक करते ही शिवम एक वेबसाइट पर पहुँच गए, जहाँ उन्हें लॉगिन करने के लिए कहा गया। लॉगिन करने



के बाद उन्हें एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ दिया गया। इस ग्रुप में पहले से कई लोग जुड़े हुए थे, जो लगातार कमाई के स्क्रीनशॉट और मैसेज भेज रहे थे। ग्रुप में मौजूद लोगों ने शिवम को बताया कि 200 रुपए के निवेश पर 100 रुपए का कमीशन मिलेगा। भरोसा दिलाने के लिए शिवम ने 200 रुपए का निवेश किया। कुछ ही समय बाद उन्हें 100 रुपए का

कमीशन भी मिल गया। इससे शिवम को लगा कि यह काम सही है और इससे कमाई की जा सकती है। इसके बाद ग्रुप में मौजूद लोगों ने अलग-अलग टास्क और ऑफर बताकर ज्यादा रकम निवेश करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। साइबर ठगों ने बार-बार नए टास्क देकर शिवम से पैसे निवेश करवाए। लालच और भरोसे के जाल में फँसकर शिवम कई बार लेनदेन करते रहे। देखते ही देखते निवेश की रकम बढ़ते-बढ़ते करीब 8 लाख रुपए तक पहुँच गई। जब शिवम ने अपनी रकम निकालने की कोशिश की तो अचानक व्हाट्सएप ग्रुप में किसी का जवाब आना बंद हो गया।

शारदा मंदिर रोपवे 14 मार्च तक बंद, चैत्र नवरात्र से पहले हो रहा मेंटेनेंस, टिकट बुक करने वालों को मिलेगा रिफंड

मीडिया ऑडिटर, मैहर (निप्र)। मैहर स्थित मां शारदा देवी मंदिर का रोपवे चैत्र नवरात्र की तैयारी के मद्देनजर रखरखाव के लिए 5 मार्च से 14 मार्च तक बंद कर दिया गया है। रोपवे प्रबंधन ने उन यात्रियों के लिए रिफंड प्रक्रिया शुरू की है, जिन्होंने बंद होने से पहले ही ऑनलाइन टिकट बुक कर लिए थे। इस दौरान मंदिर पहुँचने के लिए श्रद्धालुओं को सीढ़ियों का ही उपयोग करना होगा। ऑनलाइन बुकिंग सुविधा भी अस्थायी रूप से रोक दी गई है। रोपवे प्रबंधन के अनुसार, कुल 18 लोगों ने 5 मार्च से 15 मार्च के बीच के लिए 77 एडवांस टिकट बुक किए थे। रोपवे बंद होने की जानकारी न होने के कारण कई श्रद्धालु मैहर पहुँच रहे हैं, जिन्हें अब प्रबंधन रिफंड की प्रक्रिया समझा रहा है। प्रबंधन ने बताया कि 8 रिफंड, यानी कुल 33 यात्रियों के पैसे वापस कर दिए गए हैं। वहीं, 5 रिफंड (30



यात्रियों) का पैसा अभी लॉबित है, क्योंकि प्रबंधन को उनके बैंकिंग विवरण का इंतजार है। इसके अतिरिक्त, 5 टिकट धारकों ने प्रबंधन के कॉल का जवाब नहीं दिया है। उन्हें आज फिर से दो बार कॉल करने का प्रयास किया जाएगा। प्रबंधन को उम्मीद है कि मंगलवार शाम तक सभी लॉबित रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी, बशर्ते यात्रियों से उनके बैंक खाते की जानकारी समय पर मिल जाए। यात्रियों से अपील की गई है कि वे टिकट बुकिंग वेबसाइट पर जाकर अपनी टिकट रद्द कर दें।

जमानत पर रिहा व्यक्ति का शव पेड़ पर लटकवा मिला भांजे ने की पहचान, 2 मार्च से था लापता

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के मझगावां थाना क्षेत्र अंतर्गत मोटवा गांव से लगे जंगल में पेड़ से लटके मिले एक शव की पहचान कर ली गई है। मृतक की पहचान किट्टा निवासी 42 वर्षीय राजा भईया डोहर पुत्र भूरा डोहर के रूप में हुई है। पुलिस अब इस मामले को जांच कर रही है कि यह आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। गुरुवार को मोटवा गांव से सटे जंगल में ग्रामीणों ने एक व्यक्ति का शव महुआ के पेड़ से फांसी के फंदे पर लटका देखा था। सूचना मिलते ही मझगावां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में शव तीन से चार दिन पुराना प्रतीत हो रहा था, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था। पुलिस ने शव को मझगावां सामुदायिक



स्वास्थ्य केंद्र की मरचुरी में रखवाया था। वहाँ मृतक के भांजे ने शव की पहचान अपने मामा राजा भईया डोहर के रूप में की। भांजे ने पुलिस को बताया कि राजा भईया डोहर 25 फरवरी को ही जेल से जमानत पर रिहा हुआ था और 2 मार्च से लापता था, जिसकी परिजन तलाश कर रहे थे। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस से पूछा गया कि वहाँ की वारीकी से जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह आत्महत्या का मामला है या इसके पीछे कोई अन्य वजह हो सकती है।

विन्ध्य चेम्बर का होली मिलन समारोह सम्पन्न सांसद गणेश सिंह ने व्यापारियों को दी शुभकामनाएं

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। व्यापारी हित में लगातार कार्य करने वाली प्रमुख संस्था विन्ध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा स्थानीय अमृत वाटिका में होली मिलन एवं कवि सम्मेलन का कार्यक्रम बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में व्यापारियों की गरिमामयी उपस्थिति और उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री गणेश जी के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मुख्य अतिथि सांसद गणेश सिंह, चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा, मंत्री हरिओम गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोहर वाधवानी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष राजाराम त्रिपाठी, कमलेश पटेल सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। सांसद गणेश सिंह ने उपस्थित व्यापारियों को होली की शुभकामनाएं दी और चेम्बर के



कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि चेम्बर व्यापारियों के हित में लगातार कार्य कर रहा है, और इसका उदाहरण विन्ध्य व्यापार मेला है। उन्होंने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि शहर की जो भी मूलभूत समस्याएँ हैं, उन्हें शीघ्र हल करने



के लिए वे व्यापारियों के साथ बैठकर समाधान निकालेंगे। चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने भी व्यापारियों को होली की बधाई दी और कहा कि चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा, मंत्री हरिओम गुप्ता, कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल, मणिकॉट माहेश्वरी, मनोज शर्मा, रवि मीरानी और अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में व्यापारियों ने फूलों की होली खेली और एक-दूसरे के साथ खुशियों का आदान-प्रदान किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में चेम्बर के सदस्य और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। यह समारोह व्यापारियों के लिए एक खुशी और उत्सव का अवसर बन गया, जिसमें उन्होंने न केवल होली के रंगों में रंगी एकता का अनुभव किया, बल्कि अपने सामूहिक प्रयासों से शहर और समाज के विकास के लिए साझा कदम उठाने की प्रतिबद्धता भी जताई।



को व्यापारियों के हित में तत्पर रहने की बात कही। साथ ही, शहर के विकास के संदर्भ में कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। इस मौके पर सांसद गणेश सिंह, चेम्बर के पूर्व अध्यक्ष राजाराम त्रिपाठी, चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा, मंत्री हरिओम गुप्ता, कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल, मणिकॉट माहेश्वरी, मनोज शर्मा, रवि मीरानी और अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में व्यापारियों ने फूलों की होली खेली और एक-दूसरे के साथ खुशियों का आदान-प्रदान किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में चेम्बर के सदस्य और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। यह समारोह व्यापारियों के लिए एक खुशी और उत्सव का अवसर बन गया, जिसमें उन्होंने न केवल होली के रंगों में रंगी एकता का अनुभव किया, बल्कि अपने सामूहिक प्रयासों से शहर और समाज के विकास के लिए साझा कदम उठाने की प्रतिबद्धता भी जताई।